http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 136

प्रयागराज शनिवार 01 फरवरी 2025

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रुपया

महिलाओं को सशक्त बनाने में सरकार का विश्वासः राष्ट्रपति मुर्मु

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को कहा कि सरकार महिलाओं के नेतृत्व में देश को सशक्त बनाने में विश्वास करती है। श्रीमती मुर्मु ने संसद के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सशक्त किया जा रहा है। देश की 10 करोड़ से भी अधिक महिलाओं को इसके साथ जोड़ा गया है। इन्हें कुल नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि बैंक के माध्यम से वितरित की गई है। उन्होंने कहा, "मेरी सरकार का लक्ष्य देश में तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है। आज एक करोड़ पंद्रह लाख से भी अधिक लखपति दीदी एक गरिमामय जीवन जी रही हैं। इनमें से लगभग 50 लाख लखपति दीदी बीते छह महीने में बनी हैं। ये महिलाएं एक उद्यमी के रूप में अपने परिवार की आय में योगदान दे रही हैं।" राष्ट्रपति ने कहा कि सभी को बीमा उपलब्ध कराने की भावना के साथ कुछ महीने पूर्व ही बीमा सखी अभियान भी शुरू किया गया है। बैंकिंग और डिजी पेमेंट सखियाँ दूर दराज के इलाकों में लोगों को वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कृषि सखियाँ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही हैं और पशु सखियों के माध्यम से पशुधन मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि ड्रोन दीदी योजना महिलाओं के आर्थिक और तकनीकी सशक्तिकरण का माध्यम बनी है। यह इस संसद के लिए गौरव का विषय है कि बड़ी संख्या में भारत की बेटियां लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, पुलिस में भर्ती हो रही हैं और कॉरपोरेट कंपनियों का नेतृत्व भी कर रही हैं।

सरकार के निर्णय के बाद बालिकाओं की भर्ती राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूलों में प्रारंभ हो गई है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में भी महिला कैडेट्स की भर्ती शुरू हो गई है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि बेटियाँ ओलंपिक में पदक लाकर देश को भी गौरवान्वित कर रही हैं। उन्होंने कहा, "मैं भारत की संसद के माध्यम से देश की नारी–शक्ति को विशेष बधाई देती हूं।"

दबदबाः 10 साल में लॉन्च किए 398 विदेशी सैटेलाइट, पीएम मोदी की अपील...

अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत पर लगाएं दांव

● पहला संसदीय सत्र है जिसके पहले कोई विदेशी चिन्गारी नहीं उठीः मोदी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के बजट सत्र के पहले विपक्ष के हंगामे का बहाना बनने वाली किसी विदेशी रिपोर्ट के नहीं आने पर राहत की सांस लेते हुए आज कहा कि 2014 के बाद से संसद का यह पहला सत्र है जिसमें जिसके एक–दो दिन पहले कोई 'विदेशी चिन्गारी' नहीं पकड़ी है, विदेश में से 'आग लगाने' की कोशिश नहीं हुई है। श्री मोदी ने संसद के बजट सत्र की शुरुआत होने के ठीक पहले हंस द्वार पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। श्री मोदी ने गुप्त नवरात्रि की द्वितीया तिथि पर शुरू हो रहे बजट सत्र के पहले देवी लक्ष्मी की प्रार्थना की और गरीब एवं मध्यम वर्ग पर मां लक्ष्मी की कृपा होने की कामना की तथा नारी शक्ति के सशक्तीकरण के लिए इस सत्र में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाने की भी बात कही। श्री मोदी ने कहा, "आज बजट सत्र के प्रारंभ में समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी को प्रणाम करता हूं। और ऐसे अवसर पर सदियों से हमारे यहां मां लक्ष्मी का पुण्य स्मरण किया जाता है– सिद्धिबुद्धिप्रदे देवि भुक्तिमुक्तिप्रदायिनि। मंत्रपूते सदा देवि महालक्ष्मि नमोस्तुते। मां लक्ष्मी हमें सिद्धि और विवेक देती हैं, समृद्धि और कल्याण भी देती हैं। मैं मां लक्ष्मी से प्रार्थना करता हूं कि देश के हर गरीब एवं मध्यम वर्ग समुदाय पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा रहे।" उन्होंने भारतीय गणतंत्र के 75 वर्ष पूरे होने को हर देशवासी के लिए सर्वाधिक गौरवपूर्ण क्षण बताया और कहा कि विश्व के लोकतांत्रिक जगत के लिए भी भारत का ये सामर्थ्य अपनी एक विशेष स्थान बनता है। उन्होंने कहा, "ये देश की जनता ने मुझे तीसरी बार ये दायित्व दिया है, और इस तीसरे कार्यकाल का ये पहला पूर्ण बजट है, और मैं विश्वास से कह सकता हूं कि 2047 जब आजादी के 100 साल होंगे, विकसित भारत का जो संकल्प देश ने लिया है, ये बजट सत्र, ये बजट एक नया विश्वास पैदा करेगा, नई ऊर्जा देगा, कि देश जब आजादी के 100 साल मनाएगा, तब विकसित होकर रहेगा। 140 करोड़ देशवासी अपने सामूहिक प्रयास से इस संकल्प को परिपूर्ण करेंगे।" उन्होंने कहा कि तीसरे कार्यकाल में हम मिशन मोड में देश को सर्वांगीण विकास की दिशा में, चाहे वो भौगोलिक रूप से हो, सामाजिक रूप से हो या आर्थिक भिन्न–भिन्न स्तर के संदर्भ में हो। हम सर्वांगीण विकास के संकल्प को लेकर के मिशन मोड में आगे बढ़ते जा रहे हैं। नवान्वेषण, समावेशन और निवेश ये लगातार हमारे आर्थिक गतिविधि के रोडमैप का आधार रहा है। उन्होंने कहा कि इस सत्र में हमेशा की तरह कई ऐतिहासिक दिन होंगे और व्यापक मंथन के साथ राष्ट्र की ताकत बढ़ाने का काम करने वाला कानून बनेंगे। विशेषकर नारी शक्ति के गौरव को पुनरू प्रस्थापित करना, पंथ संप्रदाय के भेद से मुक्त होकर के हर नारी को सम्मानपूर्ण जीवन मिले, उसको भी समान अधिकार मिले, उस दिशा में ये सत्र में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति को बताया बेचारी, भड़की बीजेपी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। नड्डा ने इसको लेकर कांग्रेस से माफी की मांग भी की। उन्होंने कहा कि मैं मांग करता हूं कि कांग्रेस पार्टी माननीय राष्ट्रपति और भारत के आदिवासी समुदायों से बिना शर्त माफी मांगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बारे में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसको लेकर सोनिया गांधी पर पलटवा र किया है। नड्डा ने एक्स पर लिखा कि मैं और हर भाजपा कार्यकर्ता सोनिया गांधी द्वारा भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी के लिए ष्बेचारीष् शब्द के प्रयोग की कड़ी निंदा करते हैं। ऐसे शब्दों का जानबूझकर इस्तेमाल कांग्रेस पार्टी की अभिजात्यवादी, गरीब–विरोधी और आदिवासी–विरोधी प्रकृति को दर्शाता है। नड्डा ने इसको लेकर कांग्रेस से माफी की मांग भी की। उन्होंने कहा कि मैं मांग करता हूं कि कांग्रेस पार्टी माननीय राष्ट्रपति और भारत के आदिवासी समुदायों से बिना शर्त माफी मांगे। उन्होंने कहा कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा राष्ट्रपति को संदर्भित करने के लिए ष्बेचारीष् वाक्यांश का उपयोग बेहद अपमानजनक है और सर्वोच्च संवैधानिक कार्यालय की गरिमा के लिए विपक्ष की निरंतर उपेक्षा को रेखांकित करता है। दुर्भाग्य से, यह कोई अकेली घटना नहीं है।

वित्त मंत्री ने पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण

● अगले दो दशकों में बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाने की जरूरत, आर्थिक सर्वेक्षण में और क्या?

नई दिल्ली,(एजेंसी)। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में आम चुनावों के दौरान नई स्वीकृतियों और व्यय पर बाधाओं व कई क्षेत्रों में भारी मानसून के कारण बुनियादी ढांचे पर खर्च की गति प्रभावित हुई। आगे इसमें सुधार आने की उम्मीद है। संसद में शुक्रवार को पेश आर्थिक समीक्षा 2024–25 के अनुसार वृद्धि दर में गति को बरकरार रखने के लिए भारत में बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश को अगले दो दशकों में लगातार बढ़ाने की जरूरत है। नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में आम चुनावों के दौरान नई स्वीकृतियों और व्यय पर बाधाओं व कई क्षेत्रों में भारी मानसून के कारण बुनियादी ढांचे पर खर्च की गति प्रभावित हुई। हालांकि, पिछले वर्ष जुलाई और नवंबर के बीच पूंजीगत व्यय की गति बढ़ गई। सदन में पेश दस्तावेज में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष के लिए केंद्र का पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 20 के पूंजीगत व्यय का लगभग 3.3 गुना निर्धारित किया गया है। बुनियादी ढांचे पर अधिक ध्यान देने की जरूरत सर्वेक्षण के अनुसार आपदा–रोधी शहरीकरण, सार्वजनिक परिवहन, विरासत स्थलों, स्मारकों और पर्यटन स्थलों का संरक्षण और रखरखाव की रूरत है। रिपोर्ट में कनेक्टिविटी सहित ग्रामीण सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर अधिक ध्यान देने की जरूरत पर बल दिया गया है। सर्वेक्षण में कहा गया है, ष्हमारी शुद्ध शून्य प्रतिबद्धताओं के कारण नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता सृजन पर अतिरिक्त जोर दिया जा रहा है।ष् आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार सरकार के विभिन्न स्तरों पर बजट संबंधी बाध्यताएं हैं। कार्यक्रम और परियोजना नियोजन, वित्तपोषण, निर्माण, रखरखाव, मुद्रीकरण और प्रभाव आकलन जैसे कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में निजी भागीदारी में तेजी लाने की जरूरत है। पीपीपी मॉल के तहत बुनियादी ढांचा विकसित करने के प्लान पर जोर सर्वेक्षण में कहा गया है, ष्हमारा बुनियादी ढांचा कार्यक्रम विभिन्न प्रकार के पीपीपी मॉडल का समर्थन करता है।ष् सर्वेक्षण के अनुसार ने राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन, राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन और पीएम–गति शक्ति जैसे सुविधा तंत्र स्थापित किए हैं, जिनसे प्रगति हुई है। वित्तीय बाजार नियामकों ने निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सुधार किए हैं। इसके बावजूद अब भी कई प्रमुख क्षेत्रों में निजी उद्यम की भागीदारी सीमित है। निजी भागीदारी को बढ़ाने की रणनीति के लिए सभी हितधारकों जैसे विभिन्न स्तरों पर सरकारें, वित्तीय बाजार के खिलाड़ी, परियोजना प्रबंधन विशेषज्ञ और योजनाकार तथा निजी क्षेत्र की समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है।

फिरोजपुर में ट्रक–पिकअप वाहन टक्कर में नौ लोगों की मौत, कई घायल

फिरोजपुर,(एजेंसी)। पंजाब के फिरोजपुर में शुक्रवार सुबह गुरुहरसहाय–फिरोजपुर मार्ग पर गोलू का मोड़ के नजदीक एक पिकअप वाहन और सड़क के बीच खड़े ट्रक में टक्कर होने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक पिकअप ट्रक

में करीब 25 से 30 लोग सवार थे। पिकअप में सवार लोग वेटर बताए जा रहे हैं और एक शादी समारोह में जा रहे थे। तभी गुरु हर सहाय विधानसभा क्षेत्र के गोलू का मोड़ के पास यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया कि ट्रक सड़क के बीच में खड़ा था। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोग और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। दुर्घटना में घायल हुए लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

केजरीवाल ने चुनाव आयोग से मिलकर दिया जवाब

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को चुनाव आयोग के समक्ष यमुना के पानी में जहर के मामले में जवाब दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि आयोग ने आज बहुत ही कम समय के नोटिस पर आप नेता श्री केजरीवाल को धैर्यपूर्वक सुना और उनका जवाब प्राप्त किया। आयोग के सभी सदस्यों ने, व्यक्तिगत आक्षेपों और आक्रामक रणनीति से प्रभावित हुए बिना, उत्तर की विस्तार से जांच करने और योग्यता के आधार पर निर्णय लेने का फैसला लिया। श्री केजरीवाल ने चुनाव आयोग को सौपें जवाब में कहा कि अगर आयोग ने हरियाणा सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर यमुना को लेकर कार्रवाई नहीं कि तो ये माना जाएगा कि चुनाव आयोग जनता के हित के बजाए सत्ताधारी दल के हित में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठा जा सकता है। मेरे ऊपर जो भी अवैध कार्रवाई भाजपा के इशारे पर होती है तो मैं इसे स्वागत करता हूं। आप नेता ने छह पेज के जवाब में चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने जवाब में दिल्ली जल बोर्ड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की ओर से दिल्ली के मुख्य सचिव को लिखी चिट्ठी का हवाला दिया है, जिसमें यमुना नदी में अमोनिया की बात कही गई थी। उन्होंने आयोग के पांच सवालों के जवाब दिये। आयोग ने पूछा कि यमुना के पानी में किस प्रकार का जहर मिला था? केजरीवाल ने दिया जवाब– अमोनिया। यमुना के जल में जहर मिला है, इसका आपके पास सबूत क्ध्या है? केजरीवाल ने अपने जवाब में कहा कि 27 जनवरी को दिल्ध्ली जल बोर्ड के सीईओ का पत्र, जिसमें बताया गया है कि जल में अमोनिया की मात्रा कितनी है। इसी प्रकार यमुना नदी में किस जगह जहरीला पानी है? इस पर केजरीवाल ने जवाब में कहा कि 27 जनवरी की दिल्ध्ली जल बोर्ड के सीईओ का पत्र में है। आयोग ने पूछा किस अधिकारी ने यमुना के जल में जहर पकड़ा है? इस पर श्री केजरीवाल ने जवाब दिया कि जल बोर्ड सीईओ और अन्ध्य अधिकारियों ने इसे जांच में पकड़ा। यमुना के जल जहरीला है इसको जांचने के लिए मैथडलॉजी क्ध्या है? इस पर श्री केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड की सीईओ और अन्य अधिकारियों से इसकी पुष्टि की जा सकती है। केजरीवाल ने कहा कि आप सरकार की योजनाओं के कारण दिल्ली।

मतदान के दौरान की वीडियो क्लिप संरक्षित रखेंः सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव नियमों पर हो रहे विवाद पर सुनवाई करते हुए कहा कि जब तक याचिकाओं का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक मतदान की वीडियो क्लिप संरक्षित रखी जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनाव आयोग को दिए निर्देश में मतदान के दौरान की वीडियो क्लिप को संरक्षित रखने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव नियमों पर हो रहे विवाद पर सुनवाई करते हुए कहा कि जब तक याचिकाओं का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक मतदान की वीडियो क्लिप संरक्षित रखी जाएं। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने इंदु प्रकाश सिंह की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई की। याचिका में चुनाव आयोग के उस नियम को चुनौती जिसमें हर विधानसभा में प्रत्येक मतदान

केंद्र पर मतदाताओं की संख्या 1200–1500 बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। याचिका पर सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है।पीठ ने कहा कि प्रतिवादी संख्या 1 के वकील हलफनामा दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग कर रहे हैं। हलफनामा तीन सप्ताह के भीतर दाखिल किया जाए। हम प्रतिवादी संख्या 1 को सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को बनाए रखने का निर्देश देना उचित समझते हैं। याचिकाकर्ता इंदु प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रति मतदान केंद्र मतदाताओं की संख्या बढ़ाने का निर्णय मनमाना है। यह किसी डाटा पर आधारित नहीं है। चुनाव आयोग के फैसले से आगामी विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आम तौर पर चुनाव 11 घंटे तक चलते हैं और वोट डालने में 60 से 90 सेकंड का समय लगता है, इसलिए एक ईवीएम के साथ एक मतदान केंद्र पर एक दिन में 660 से 490 लोग वोट डाल सकते हैं। औसत मतदान 65.70 प्रतिशत मानते हुए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि 1,000 मतदाताओं के लिए तैयार मतदान केंद्र पर लगभग 650 मतदाता उपस्थित हुए।

जयशंकर ने साफ किया भारत का रुख

हमारे पाठ्यक्रम से बाहर हो सकती हैं ट्रंप की कुछ नीतियां

नई दिल्ली,(एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि ट्रंप की नीतियां वैश्विक मामलों में अहम बदलाव ला सकती हैं, लेकिन हो सकता है कि कुछ चीजें हमारे पाठ्यक्रम से बाहर हों। इसलिए हमें अपनी विदेश नीति को पाठ्यक्रम से बाहर चलाना होगा। जो हमारे राष्ट्रीय हित में होगा। कुछ मुद्दों पर हम अलग हो सकते हैं। मगर कई क्षेत्र ऐसे हैं जो हमारे दायरे में होंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर भारत का रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप की कुछ नीतियां भारत के पाठ्यक्रम से बाहर हो सकती हैं। लेकिन हम अपने राष्ट्रीय हित को महत्व देंगे। दिल्ली विवि के एक कॉलेज में कार्यक्रम के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रवादी हैं। वैश्विक स्तर पर भारत का प्रभाव बढ़ रहा है। मैं हाल ही में अमेरिका के नए राष्ट्रपति ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में गया था।

हमें वहां अच्छा व्यवहार और सम्मान मिला। उन्होंने कहा कि ट्रंप की नीतियां वैश्विक मामलों मेंअहम बदलाव ला सकती हैं लेकिन हमारी विदेशी नीति राष्ट्रीय हित पर आधारित होगी। विदेश मंत्री ने कहा कि हां यह सही बात है कि ट्रंप कई चीजों में बदलाव करेंगे। लेकिन हो सकता है कि कुछ चीजें हमारे पाठ्यक्रम से बाहर हों। इसलिए हमें अपनी विदेश नीति को पाठ्यक्रम से बाहर चलाना होगा। जो हमारे राष्ट्रीय हित में होगा। उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दों पर हम अलग हो सकते हैं। मगर कई क्षेत्र ऐसे हैं जो हमारे दायरे में होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हमारे संबंध मजबूत हैं। पीएम मोदी के ट्रंप के साथ अच्छे व्यक्तिगत रिश्ते हैं। विदेश मंत्री ने भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को लेकर बदलती धारणा को लेकर भी जानकारी दी।

चिंताजनक है बच्चों में अपराध प्रवृत्ति

पुणे में सातवीं कक्षा के छात्र द्वारा अपनी सहपाठी छात्रा से बलात्कार और हत्या के लिए दूसरे साथी को एक सौ रुपए की सुपारी देने की खबर चौंकाने वाली है। छात्रा का दोष इतना ही था कि उसने रिपोर्ट कार्ड पर पेरेंट्स के फर्जी साइन को लेकर आरोपी छात्र की शिकायत शिक्षक से की थी। हैरत की बात यह भी है स्कूल प्रशासन भी इस गंभीर मामले को दबाने में जुटा रहा।

छात्रा की पिता की शिकायत पर पुलिस अब पूरे मामले की जांच में जुट गई है लेकिन समूचे घटनाक्रम ने बच्चों में बढ़ रही आपराधिक मनोवृत्ति की तरफ इशारा किया है, जो न केवल हमारे सामाजिक ताने–बाने को प्रभावित कर रही हैं बल्कि हमारे बच्चों के भविष्य को भी संकट में डाल रही हैं। दरअसल, इस समस्या की जड़ में बच्चों पर हावी होता मानसिक तनाव, सहनशीलता की कमी, पारिवारिक और सामाजिक परिवेश में बदलाव, इंटरनेट और सोशल मीडिया की लत जैसे कई प्रमुख कारण हैं। यह घटना समय रहते उजागर भले ही हो गई हो लेकिन कई सवाल भी खड़े कर गई है।

शिक्षण संस्थानों को संस्कारों का केन्द्र माना जाता है। उनमें आखिर ऐसी मनोवृत्ति वाले बच्चों की निगरानी क्यों नहीं होती? स्कूल प्रशासन इस मामले को दबाने की कोशिश में क्यों जुटा रहा? आपराधिक घटनाओं को कई बार बदनामी के डर से उजागर नहीं किया जाता। लेकिन संबंधित लोगों को इतना तो समझना होगा कि ऐसा कर वे एक तरह से आपराधिक प्रवृत्ति वाले बच्चों को संरक्षण दे रहे हैं। बिगड़ते पारिवारिक और सामाजिक माहौल के कारण बच्चों को मानसिक तनाव और अवसाद जैसी समस्याओं ने घेर लिया है।

पश्चिमी देशों में स्कूलों में बच्चों के हिंसक बर्ताव की खबरें तो आती रही हैं, लेकिन हमारे देश में भी ऐसी घटनाएं सचमुच चिंतनीय है। यह भी समझना होगा कि बच्चों के अपराधी बनने के पीछे सिर्फ बाहरी कारक ही नहीं, बल्कि पारिवारिक माहौल भी एक हद तक जिम्मेदार है। परिजनों का हर सही–गलत बात में बच्चों का समर्थन करना उन्हें राह से भटकाता भी है। बच्चों को सहनशीलता और आदर्शों की शिक्षा देनी होगी। उनके साथ घर व स्कूल दोनों जगह खुले संवाद को बढ़ावा देना होगा। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की जांच भी समय–समय पर होती रहनी चाहिए। बच्चों को ऐसा माहौल देने की जरूरत है जिससे वे सही रास्ते पर चल सकें। इसमें शिक्षकों व अभिभावकों के साथ समाज–सरकार की भी बड़ी भूमिका होती है।

टीबी के शिकार

टीबी के मामले तेजी से बढ़े हैं। चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं।

परिस्थितियां अनुकूल हैं, लेकिन नतीजा उलटा हो रहा है। यह कहानी कभी घातक बीमारी रह चुके ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की– ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2024– के मुताबिक 2023 में 82 लाख लोग टीबी से संक्रमित हुए, जो 1995 में निगरानी शुरू होने के बाद की सबसे बड़ी संख्या है। यह आंकड़ा 2022 में सामने आए 75 लाख नए मामलों से काफी अधिक है। इनके अलावा बड़ी संख्या की ऐसे लोगों के मौजूद होने का अनुमान है, जिनमें इस रोग का निदान नहीं हो पाया। अब डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम गेब्रियासुस की इस टिप्पणी पर गौर कीजिए– चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं।

डब्लूएचओ ने अपनी रिपोर्ट जिक्र किया है कि दवा–प्रतिरोधी टीबी (एमडीआरध्आरआर–टीबी) के मामलों में भी सुधार हुआ है। टीबी के सामान्य मामलों में इलाज की सफलता दर 88 फीसदी है, जबकि एमडीआरध्आरआर–टीबी के मामलों में यह 68 फीसदी तक पहुंच गई है। फिर भी टीबी के मामले बढ़ रहे हैं। टीबी की वापसी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में भारत प्रमुख है। भारत सहित मध्यम आय वाले ज्यादातर देशों में यह स्थिति स्वास्थ्य के निरोधक (प्रीवेंटिव) पहलू पर जोर घटने के कारण पैदा हुई है। हर सेवा के निजीकरण के दौर में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं रह गया है।

डब्लूएचओ के मुताबिक लगभग 50 फीसदी मरीजों को इलाज के दौरान विनाशकारी खर्च का सामना करना पड़ता है। इसका अर्थ है कि उनका इलाज खर्च उनकी आय का 20 फीसदी से ज्यादा होता है। स्वाभाविक है कि रिपोर्ट में टीबी संबंधी सेवाओं के लिए फंडिंग की कमी का खास उल्लेख किया गया है। 2023 में संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक में कहा गया था कि 2027 तक टीबी सेवाओं के लिए हर साल 22 बिलियन डॉलर जुटाए जाने चाहिए। 2023 में केवल 5.7 बिलियन डॉलर की फंडिंग उपलब्ध थी– यानी कुल जरूरत का सिर्फ 26 फीसदी। ऐसे में टीबी की वापसी कोई हैरत की बात नहीं है।

जान फूँकेंगी प्राथमिक कृषि ऋण समितियां'

शाजी के वी, अध्यक्ष, नाबार्ड

दुनिया भर में श्अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष – 2025य के स्वागत की तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। यह ऐसे समय में हो रहा है जब भारत का सहकारिता क्षेत्र मजबूत स्थिति में है और देशभर में नई, मजबूत और तेजी से उभरती हुई प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) का प्रसार हो रहा है। आर्थिक और प्रशासनिक सुधारों से लैस ये पीएसीएस अब ग्रामीण और कृषि प्रधान भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के श्सहकार से समृद्धिय के सपने को साकार करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

यद्यपि भारत में सहकारिता का गौरवशाली इतिहास रहा है, लेकिन कुप्रबंधन, संकट के समय पर्याप्त सरकारी समर्थन की कमी और आवश्यक सुधारों की अनुपस्थिति के कारण इसके विकास में रुकावट आई है। हालाँकि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपने दूसरे कार्यकाल में सहकारिता मंत्रालय का गठन करने और अपने भरोसेमंद सहयोगी अमित शाह को इसकी कमान सौंपने के तुरंत बाद सहकारिता क्षेत्र में बदलाव की बयार बहने लगी।

गुजरात में सहकारिता आंदोलन को नया आकार देने वाले सुधारों के प्रणेता के रूप में विख्यात सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कार्यभार संभालने के तुरंत बाद राष्ट्रीय सहकारिता परिदृश्य में बड़े पैमाने पर सुधार किए, जिससे दुनिया इस क्षेत्र की ओर उम्मीद से देखने लगी। सहकारिता की क्षमता को अब देश के भविष्य को आकार देने वाले क्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है। वित्त मंत्रालय के साथ हुए बजट परामर्श में भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ ने प्रमुख क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करने की क्षमता को बढाने के लिए सहकारी समितियों के व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाने की सिफारिश की।

सहकारिता क्षेत्र के पुराने जानकार अमित शाह सहकारिता क्षेत्र के विकास में बाधा डालने वाली वजहों से अच्छी तरह परिचित हैं। इन बाधाओं में पीएसीएस के विविधीकरण की कमी थी, जिसने उन्हें लगभग अव्यवहार्य बना दिया।। श्री शाह ने पीएसीएस के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण कार्य किया, वह उनके बायलॉज यानी उप–नियमों में बदलाव लाना था। पीएसीएस की समस्याओं से छुटकारे के लिए मॉडल बायलॉज लाकर उन्हें बहुउद्देश्यीय बनाने पर जोर दिया जा रहा है। इससे उन्हें अपने व्यवसाय को 25 से अधिक व्यावसायिक गतिविधियों से जोड़ कर विविधता लाने में मदद मिली है। अब वे कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के रूप में काम कर रहे हैं, जो ग्रामीण भारत में 300 से अधिक ई–सेवाएं, जैसे – बैंकिंग, बीमा, आधार नामांकनध्अपडेशन, स्वास्थ्य सेवाएं, पैन कार्ड और आईआरसीटीसी ध्बसध हवाई टिकट आदि सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। अब तक 35,000 से अधिक पीएसीएस ने ग्रामीण नागरिकों को सीएससी सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है। साथ ही, अब उन्हें प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र, जल समितियों, एलपीजी वितरकों, खुदरा पेट्रोलध्डीजल दुकानों, किसान उत्पादक संगठनों आदि के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाया जा रहा है। पीएसीएस अब गांवों में सस्ती दरों पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाओं के वितरण के लिए प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के रूप में भी काम कर रहे हैं, जिससे ग्रामीण आबादी के लिए सस्ती दवाएं उपलब्ध कराते हुए आय का एक और स्रोत पैदा हो रहा है। ये सभी प्रयास पीएसीएस की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए किए जा रहे हैं।

सहकारिता मंत्रालय का अगला महत्वपूर्ण कार्य इस क्षेत्र में लोगों का विश्वास जीतना था, जो दशकों से कुप्रबंधन से ग्रस्त था। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 63,000 पीएसीएस का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है। अब तक 23 हजार से अधिक पीएसीएस को एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग सॉफ्टवेयर के साथ एकीकृत किया जा चुका है। पीएसीएस के कम्प्यूटरीकरण से उन्हें सीधे राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक से जोड़ा जा सकेगा। कॉमन अकाउंटिंग सिस्टम और मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम से संचालन में एकरूपता आएगी। इससे पीएसीएस संचालन में जनता का विश्वास बढ़ेगा।

सहकारिता क्षेत्र में हुई अनूठी पहलों से यह क्षेत्र अब नए आत्मविश्वास के साथ पूरे देश में संगठित रूप में काम कर रहा है, जो इसके लिए बहुत फायदेमंद है। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारी क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों से जिला सहकारी बैंकों में बैंक खाते खोलने का आह्वान किया है ताकि उन्हें व्यवहार्य बनाया जा सके। उनके अनुसार, सहकारी समितियों के बीच सहयोग एक मजबूत आर्थिक सिद्धांत है जो मजबूत सहकारी क्षेत्र के निर्माण के लिए जरूरी है। साल 2024 में सहकारिता मंत्रालय का दूसरी बार कार्यभार संभालते हुए अमित शाह ने जमीनी स्तर पर नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करके इस क्षेत्र को मजबूत करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा था कि उनके पिछले कार्यकाल में नीतिगत ढांचा बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था और वर्तमान कार्यकाल में उनकी प्राथमिकता इन नीतियों को जमीनी स्तर तक ले जाने की होगी।सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई सबसे महत्वपूर्ण पहल में से एक सहकारी क्षेत्र में श्विश्व का सबसे बड़ा विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण कार्यक्रमय है। इस योजना का उद्देश्य पीएसीएस स्तर पर अनाज भंडारण के लिए विकेंद्रीकृत गोदाम, कस्टम हायरिंग सेंटर, प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयाँ और अन्य कृषि अवसंरचनाएँ बनाना है। कृषि अवसंरचना कोष, कृषि विपणन अवसंरचना, कृषि यंत्रीकरण पर उप–मिशन, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण आदि सरकार की विभिन्न योजनाओं को मिलाकर इस योजना का उद्देश्य देश के लिए एक विशाल भंडारण क्षमता का निर्माण करना है। इससे खाद्यान्न की बर्बादी और परिवहन लागत में कमी आएगी, किसानों को उनकी उपज के बेहतर दाम मिलेंगे और विभिन्न कृषि जरूरतों को पीएसीएस स्तर पर ही पूरा किया जा सकेगा।चूंकि पीएसीएस ग्रामीण विकास की रीढ़ हैं, इसलिए इनके सुदृढ़ीकरण और पुनरुद्धार से बहुत जल्द ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा मिलेगा। पीएसीएस से जुड़ी गतिविधियों के बढने से जहां मौसमी बेरोजगारी खत्म होने की उम्मीद है, वहीं इससे करीब 1 लाख पीएसीएस से सीधे जुड़े 13 करोड़ किसानों को विशेषरूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय सृजन में फायदा होगा।

परिसीमन का क्या पैमाना होगा?

अजीत द्विवेदी

केंद्र सरकार ने जनगणना की अधिसूचना जारी नहीं की है, लेकिन एक, प्रशासनिक सीमाएं सील हो जाएंगी और उससे पहले भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण का कार्यकाल अगस्त 2026 तक बढ़ा दिया गया है, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि अगले साल जनगणना होगी। उसके अगले साल यानी 2026 में लोकसभा सीटों का परिसीमन होगा और फिर इसी आधार पर 2029 में साथ होने वाले चुनाव में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने एक सामाजिक कार्यक्रम में, जहां 16 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया जाना था, वहां कहा कि श्जब हम ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां संसद में सीटों की संख्या कम होने वाली है तो हमें छोटा परिवार क्यों रखना चाहिएय?

इसके आगे उन्होंने नवविवाहित जोड़ों से ज्यादा बच्चे पैदा करने और उन्हें सुंदर तमिल नाम देने का आग्रह किया। हालांकि उन्होंने संसद में सीटों की संख्या कम होने के बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा लेकिन उनका इशारा परिसीमन के बाद की स्थितियों की ओर था। उनसे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने का आग्रह किया था। हालांकि उनका घोषित सरोकार यह था कि दक्षिण के राज्यों में आबादी बूढ़ी हो रही है और कामकाजी युवाओं की संख्या कम हो रही है। परंतु कहीं न कहीं वे भी इस बात से चिंतित हैं कि अगर आबादी के आधार पर लोकसभा सीटों का परिसीमन हुआ तो दक्षिण के राज्यों की राजनीतिक हैसियत घटेगी।

तभी यह बड़ा सवाल है कि लोकसभा सीटों के परिसीमन का आधार क्या होगा? क्या सीधे तौर पर जनसंख्या के हिसाब से सीटों की संख्या में बढ़ोतरी कर दी जाएगी? अगर ऐसा हुआ तो उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों को फायदा होगा और दक्षिण भारत के राज्य घाटे में रहेंगे। तभी चंद्रबाबू नायडू और एमके स्टालिन की चिंता सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक दिखती है। यह चिंता क्षेत्रीय वर्चस्व और फिर अस्मिता की राजनीति में भी बदल सकती है, जिससे एक बड़ा खतरा पैदा हो सकता है।

इसलिए सरकार को परिसीमन के फॉर्मूले के बारे में तर्कसंगत तरीके से विचार करना होगा और उस पर सभी दलों व राज्यों की सहमति अनिवार्य रूप से लेनी होगी। ध्यान रहे लोकसभा सीटों का परिसीमन जम्मू कश्मीर की तरह नहीं होगा, जहां मनमाने तरीके से भौगोलिक सीमाओं का ध्यान रखे बगैर इस तरह से विधानसभा सीटों का सीमांकन हुआ कि जम्मू क्षेत्र में छह सीट बढ़ गई और कश्मीर घाटी में सिर्फ एक सीट बढ़ी।

आजादी के बाद से मोटे तौर पर आबादी के आधार पर ही लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या तय होती रही है। तभी उत्तर प्रदेश में 80 सीटें हैं और तमिलनाडु में 39 हैं। लेकिन आजादी के बाद राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को अलग अलग तरीके से लागू किया। आर्थिक रूप से विकसित राज्यों ने बेहतर ढंग से जनसंख्या नियंत्रण का किया तो उनके यहां जनसंख्या वृद्धि की दर राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे आ गई। दक्षिण के राज्यों में तो जनसंख्या बढने की दर रिप्लसमेंट रेट से भी कम है। रिप्लेसमेंट रेट 2.1 है। इसका मतलब होता है कि अगर दो लोग मिल कर 2.1 बच्चे पैदा करते हैं तो जनसंख्या नहीं बढ़ेगी वह स्थिर हो जाएगी। दक्षिण के राज्यों में जनसंख्या बढने की दर 1.6 फीसदी है, जो रिप्लेसमेंट रेट से काफी कम है, जबकि उत्तर के राज्यों खास कर बिहार और उत्तर प्रदेश में वृद्धि दर रिप्लेसमेंट रेट से ज्यादा है।

ऐतिहासिक रूप से यह स्थिति रही है तभी दक्षिण के राज्यों में आबादी नियंत्रित हो गई और उत्तर भारत के राज्यों में बढ़ती चली गई। हालांकि अब वहां भी रफ्तार धीमी हो रही है लेकिन उन राज्यों की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। अगर इस आधार पर उनकी लोकसभा सीटें बढ़ती हैं तो यह उन राज्यों के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने अपने यहां आबादी का बढना रोका। उन्होंने अच्छा काम किया इसके लिए उनको सजा नहीं दी जानी चाहिए।

अगर सरकार पारंपरिक रूप से आबादी को आधार बनाती है और औसतन 20 लाख की आबादी पर एक सीट का फॉर्मूला तय होता है तो दक्षिण के ज्यादातर राज्यों में सीटों में कोई बदलाव नहीं होगा, जबकि उत्तर प्रदेश में सीटों की संख्या 80 से बढ़ कर 120 हो जाएगी। बिहार में 40 से बढ़ कर 70 हो जाएगी। सोचें, इससे इन राज्यों की राजनीतिक हैसियत कितनी बढ़ जाएगी? अगर ऐसा होता है तो ओवरऑल लोकसभा की सीटों में बड़ी बढ़ोतरी करनी होगी। वैसे नए संसद भवन में इसकी तैयारी पहले हो चुकी है। नए संसद भवन में निचले सदन यानी लोकसभा में 880 सांसदों के बैठने की व्यवस्था है। अगर संख्या इतनी नहीं भी बढ़ाएं तब भी आठ सौ तक संख्या जा सकती है। इस फॉर्मूले से यानी आबादी के अनुपात में सीटों की संख्या बढ़ाने का फैसला होता है तो दक्षिण के सभी राज्यों को मिला कर करीब 20 सीट का फायदा होगा। लेकिन उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में डेढ़ सौ से ज्यादा सीटें बढ़ जाएंगी।

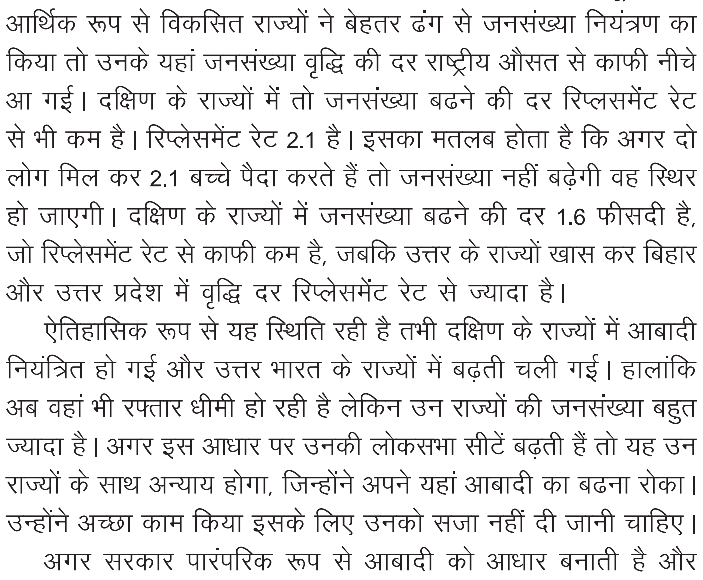

अगर सरकार लोकसभा सीटों की संख्या नहीं बढ़ाने का फैसला करती है तब परिसीमन में जनसंख्या का पैमाना 30 लाख की आबादी पर एक सीट का रखना होगा। अगर ऐसा किया जाता है तब उत्तर प्रदेश में 80 और बिहार में 42 सीटें होंगी। लेकिन ऐसे में कम से कम आठ राज्य ऐसे होंगे, जहां लोकसभा की एक भी सीट नहीं बनेगी क्योंकि उन राज्यों की आबादी 30 लाख से कम है। अगर किसी भी राज्य में जीरो सीट नहीं रखनी है यानी चाहे जितनी आबादी हो उसे कम से कम एक लोकसभा सीट देनी है तो सबसे छोटे राज्य की आबादी के हिसाब से एक सीट का फॉर्मूला बनाना होगा। ऐसे में ओवरऑल सीटों की संख्या में छह सीटों की बढ़ोतरी होगी यानी कुल सीट संख्या 549 हो जाएगी। लेकिन उत्तर प्रदेश में तब भी 12 सीटें बढ़ जाएंगी। बिहार में भी 10 सीटों का इजाफा होगा। राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात आदि में भी ठीक ठाक बढ़ोतरी होगी। इसके बरक्स पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु आदि में सीटों की संख्या घटेगी। इनमें से कोई भी फॉर्मूला बहुत युक्तिसंगत नहीं लगता है। सीटों की मौजूदा संख्या कायम रखने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि आबादी बहुत बढ़ चुकी है और एक सांसद के लिए इतनी बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करना संभव नहीं है। लेकिन सीटों की संख्या सीधे आबादी के आधार पर बढ़ा देना भी युक्तिसंगत नहीं है। सो, जनसंख्या, भौगोलिक क्षेत्र और जीडीपी तीनों के औसत को आधार बनाना चाहिए। यानी किसी राज्य की जनसंख्या बहुत ज्यादा है और उसका कुछ फायदा उसे मिलता है तो किसी और राज्य को उसका भौगोलिक क्षेत्र ज्यादा बड़ा होने का फायदा मिलना चाहिए तो किसी राज्य को जीडीपी में ज्यादा योगदान करने का फायदा मिलना चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं हो। किसी भी राज्य की राजनीतिक और विधायी हैसियत अनुपात से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। सभी पार्टियों को साथ लेकर उनकी सहमति से परिसीमन का फॉर्मूला तय करना चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद साधने की मंशा न हो।

रूस की युद्ध मशीन को ताकत मिली

भारत रूस को प्रतिबंधित तकनीकोंच का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। भारत से हुए निर्यात में माइक्रोचिप, सर्किट और मशीन–टूल्स शामिल हैं। पश्चिम का आरोप है कि इन वस्तुओं से रूस की युद्ध मशीनच को ताकत मिली है।इस खबर को पश्चिम में खूब तव्वजो मिली है और इस पर पश्चिमी राजनयिकों की तीखी प्रतिक्रिया फिर सामने आई है। खबर है कि भारत रूस को प्रतिबंधित तकनीकोंच का निर्यात करने वाला चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। भारत ने जिन वस्तुओं का निर्यात बढ़ाया है, उनमें माइक्रोचिप, सर्किट और मशीन–टूल्स शामिल हैं। पश्चिमी राजनयिकों का आरोप है कि इन निर्यातों से रूस की युद्ध मशीनच को ताकत मिली है। यह खबर प्रकाशित होने के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इससे जुड़ी चिंताएं फिर से भारतीय अधिकारियों के सामने उठाई जाएंगी।

खबरों के मुताबिक भारत के जरिए रूस तक निर्यातों के पहुंचने के सवाल पर हाल के महीनों में अमेरिका और यूरोपियन यूनियन के अधिकारियों ने अपना खास ध्यान केंद्रित किया है। अधिकारियों ने मीडिया से कहा है कि उन्हें और भी ज्यादा नाराजगी इस पर हुई है कि जब कभी उन्होंने अपनी चिंताएं बताईं, भारतीय अधिकारियों ने उन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। इस कारण ही हाल में रूस से कारोबार करने वाली कई भारतीय कंपनियों पर पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगाए हैं। फिलहाल भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस बारे में कुछ कहने से इनकार किया है। लेकिन यह साफ है कि सभी पक्षों से रिश्ता रखनेच की भारत सरकार की नीति अब पश्चिमी देशों को खासा चुभने लगी है। उनके रुख में एक तरह की तल्खी भी देखी जा रही है। इसे संभवतरू कई माध्यमों से वे जता भी रहे हैं।यह साधारण बात नहीं थी कि पिछले महीने जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका में थे, तभी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के गुट की बात सुनने के लिए उसके नुमाइंदों को ह्वाइट हाउस आमंत्रित किया गया। उधर पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान जब मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो से मिले, तो ट्रुडो ने खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अपना भारत विरोधी रुख पूरी उग्रता के साथ जताया। मुमकिन है कि रूस को निर्यात और पन्नू– निज्जर विवाद में आपसी संबंधा देखना उचित ना हो, लेकिन पश्चिम के रुख में भारत के प्रति बढ़ती तल्खी साफ है।

दिनदहाड़े चलते रहे ईंट पत्थर, कांपते रहे लोग

सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई के बजाए पीड़ितों को ही बैठा लिया थाने पर

मीरजापुर(आरएनएस)। जिले में नये पुलिस कप्तान के आगमन होने के बाद भी पुलिस की कार्यशैली में बदलाव नहीं हो पा रहा है। हद की बात है कि गंभीर मामला में भी पुलिस का लचर और श्खाऊं कमाऊं फिर सलटाऊश नीति आगे चलकर गंभीर रूप धारण कर लेता है। बावजूद इसके पुलिस कोई सबक लेना नहीं चाहती है।

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में गुरुवार को तड़के कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है जिसमें पुलिस ने पीड़ित पक्ष के लोगों की भी थाने पर कार्रवाई करने के लिए बुलाकर बैठा लिया है। पूरा मामला मिर्जापुर जिले के कटरा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत लोहिया तालाब का बताया जा रहा है जहां दो पक्षों में किसी बात को लेकर शुरू हुई कहासुनी ने इस कदर गंभीर रूप ले लिया कि जमकर एक पक्ष से ईंट पत्थर की बौछार दूसरे पक्ष के घर पर शुरू कर दिया गया है जिससे कुछ लोग चोटिल होने बताएं जा रहे हैं तो वहीं घर के खिड़की दरवाजे सहित अन्य सामान भी तहस–नहस होने बताएं जा रहें हैं। ईंट पत्थर चलने का वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मचा हुआ है वहीं पुलिस ने ठोस कार्रवाई के बजाए पीड़ित को ही थाने पर बैठाया है जिससे आक्रोशित परिवार की महिलाओं ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी से गुहार लगाई है। इस दौरान पीड़ित परिवार की महिलाओं ने बताया कि उनके घर में भतीजी का 02 फरवरी 2025 को तिलक जाना है, सो सभी तैयारियां चल रहीं हैं। इस निमित्त परिवार ने नगद 50 हजार रुपए एकत्र किये हुए थे। 29 जनवरी 2025 को दोपहर में लगभग 2 बजे दिन में परिवार के लोग तिलक के सामान को भेजने की तैयार कर रहे थे, तभी पड़ोस के तभी एक व्यक्ति का पुत्र अचानक आकर रूपयों की गड्डी लेकर भाग निकला था। जानकारी होने पर पीछे–पीछे इसकी जब उसके घर गये तथा शिकायत की तो उन्होनें गलती मानने से तथा पैसा वापस करने से इन्कार कर दिया। इस पर फौरन 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को सूचना दी गई तो पुलिस के आने पर उन लोगों ने गलती मानी तथा पुलिस की मौजूदगी में सुलहनामा तैयार हुआ। जिसके बाद पीड़ित पक्ष अपने घर वापस आ गये थे। आरोप है कि दूसरे दिन गुरुवार 30 जनवरी 2025 को प्रातः लगभग 7रू00 बजे पीड़िता पार्वती देवी पत्नी गणेश मौर्या का पौत्र अंश 10 वर्ष परिवार के कारखाने पर जा रहा था उसी समय विपक्षीगण ने एकराय होकर उसे रोक लिया तथा मारना प्रारम्भ कर दिया। उसका रोना सुनकर जब परिवारजन वहां पहुंचे तो सभी ने एकराय होकर पार्वती देवी व उसके परिवारजन को हाथों में लाठी–डण्डा, ईंट आदि लेकर दौड़ा लिया। भागकर घर में घुसने पर वे लोग दरवाजा तोड़कर घर में घुसकर घर का लगभग सारा सामान तोड़ दिये तथा खड़ी बाइक को क्षतिग्रस्त कर दिया है। इसकी सूचना तत्काल थाना कोतवाली कटरा को दी गई, लेकिन थाना कटरा कोतवाली पुलिस द्वारा उल्टा उन्हीं के परिवार के पुरुषों को ही थाने पर बैठा लिया गया है। आरोप लगाया है कि पुरुषों के थाने जाने के बाद विपक्षी के मित्र व रिश्तेदारों द्वारा पुनः उनके घर में घुसकर न सिर्फ तोड़–फोड़ की गई है वरन महिलाओं के साथ अभद्रता भी की गई। पीड़िता पार्वती ने बताया कि दबंगों की दहशतगर्दी और दबंगई से उनका पूरा परिवार डरा हुआ है। विपक्षी गालियां देते हुए सीधे धमकी दे रहे हैं कि पुलिस को जाने दो, पूरे खानदान को जान से मार देंगे। पीड़िता और उनके घर की महिलाओं ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाते हुए उनके परिवार के पुरुषों को छोड़े जाने तथा वायरल वीडियो को तत्काल संज्ञान में लेते हुए आरोपित लोगों दबंगो के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई है। कहां है कि यदि उनके परिवार के सदस्यों के साथ किसी प्रकार की कोई अप्रिय वारदात, घटनाक्रम घटित होता है तो इसके लिए पूर्णतया कटरा कोतवाली पुलिस जिम्मेदार होगी।

विचार गोष्ठी और कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन'

हरदोई युवा दिवस के अवसर पर ब्लॉक संडीला के ग्राम सेमरी में साईं मंदिर के मैदान में कब्बड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के आयोजन स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर युवा दिवस के रूप में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक श्रीमान राजेश जी , खंड कार्यवाह श्रीमान अखिलेश जी , एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती सुनीता सिंह जी ने की।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर एवं स्वामी विवेकानंद जी के जीवन चर्चा व युवाओं हेतु उनके दिए गए मूल्यों पर चलने के आग्रह के साथ की गई ।कार्यक्रम में विजेता संडीला की टीम व उपविजेता सेमरी की टीम रही । अतिथियों द्वारा विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक श्याम सुंदर त्रिपाठी ने किया ।

10 लाख की ठगी का आरोप, चार पर केस

जौनपुर (आरएनएस)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के डेहरी गांव में सहायता समूह की अध्यक्ष निर्मला देवी पर 10 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाते हुए गरीब महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई थी। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डेहरी गांव की 12 महिलाओं ने आरोप लगाया था कि निर्मला देवी जो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत में आशा कार्यकर्ता हैं, ने समूह की 15 महिलाओं का लगभग 10 लाख रुपये लेकर फरार हो गईं। जब महिलाएं पैसा मांगने उनके घर गईं तो उनके पति तूफानी, पुत्र नितिन उर्फ गोलू, और पुत्री डिंपल ने गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी। महिलाओं का आरोप है कि निर्मला ने बंधन बैंक से जुड़े चेतना सहायता समूह का पैसा हड़प लिया।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाई गई जयंती

कुशीनगर। जनपद के नगर पालिका परिषद कुशीनगर क्षेत्र के वार्ड संख्या 22 महन्थ अवैद्यनाथ नगर (सिसवा कुट्टी) चौराहे पर निर्वाण सेवा संस्थान द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती श्अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस श के रूप में मनाई गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध सामाजिक चिंतक, गांधीवादी विचारक शिवाजी राय ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद एक संत होने के साथ ही राष्ट्र, सामाज, संस्कृति को लेकर सामाजिकता की अलख जगाई और भेद, आडम्बर का कड़ा विरोध किया। शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन में उन्होंने विश्व को ध्येय, समर्पण, कर्म, लक्ष्य का मार्ग बताया। उन्होंने कहा उठो, जागो और तब तक चलो जबतक लक्ष्य न प्राप्त हो जाय। आज विवेकानंद जी के सिद्धांतों को स्वीकार कर युवा आगे बढ़ें तो निश्चित ही सामाजिक न्याय की परिकल्पना साकार होगी। ऐसे आयोजन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि निर्वाण सेवा संस्थान के प्रबन्धक व हाईकोर्ट मुम्बई के अधिवक्ता विजेन्द्र कुमार राय द्वारा राष्ट्र हित में किए जा रहे सेवा कार्य बहुत ही सराहनीय है। इस कार्य में युवाओं को आगे आना चाहिए तभी एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण होगा। समाजसेवी व माता यशोदा देवी शिक्षण संस्थान के प्रबन्धक केदारनाथ यादव ने कहा कि विवेकानंद युवाओं के प्रेरणा श्रोत हैं। सामाजिक कार्यकर्ता संजय सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का सामाजिक चेतना में अहम योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। आभार कार्यक्रम समन्वयक हृदया नंद शर्मा व संचालन राम गुलाब यादव ने किया।

संक्षेप

लग्जरी बस ने कंटेनर में मारी ठोकर, बस चालाक जख्मी

कुशीनगर। जनपद के हाटा कोतवाली थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 28 पर तेज रफ्तार एक लग्जरी बस ने पीछे से कंटेनर में टक्कर मार दिया। टक्कर लगते ही बस में चीख– पुकार मच गई। बस चालक बस में ही फस गया। जबकि सवारियों को हल्की–फुल्की चोटे लगी है।जानकारी के अनुसार उक्त घटना हाटा कोतवाली थाना क्षेत्र के नगर पंचायत सुकरौली नेशनल हाईवे 28 ओवर ब्रिज की है। रविवार को सुबह 6रू00 बजे जयपुर राजस्थान से सवारी लेकर बिहार सीतामढ़ी जा रही लग्जरी बस सुकरौली हाईवे ब्रिज पर कंटेनर ट्रक में पीछे से टकरा गई। जिसमें ड्राइवर का पैर बस में बुरी तरह फस गया। सवारियों को भी हल्की–फुल्की चोटे आई। बस में कुल 35 लोग सवार थे। सूचना पर पहुंची नेशनल हाईवे के एंबुलेंस ने बस में फंसे ड्राइवर केशव निवासी सीतामढ़ी को बस से निकाल कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुकरौली पहुंचाया।जहां डॉक्टरों ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया।

विकास चन्द्र बने एसडीएम

कुशीनगर। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज के निर्देश पर 2020 बैच के पीसीएस अधिकारी विकास चंद्र ने कप्तानगंज एसडीएम के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है। कप्तानगंज के एसडीएम योगेश्वर सिंह का हाटा स्थानांतरण होने के बाद उनके स्थान पर जिलाधिकारी ने विकास चंद्र को कप्तानगंज का उप जिलाधिकारी बनाया है। जिन्होंने कप्तानगंज तहसील में पहुंच कार्यभार ग्रहण किया। इसके उपरांत उन्होंने तहसील परिसर में स्थित सभी कार्यालयों का निरीक्षण व राजस्व कर्मियों के साथ बैठक कर आवश्यक जानकारी प्राप्त किया।उन्होंने बताया कि तहसील में आने वाले सभी फरियादियों को न्याय मिले।यह उनकी प्रथम प्राथमिकता होगी।इसके लिए तहसील के सभी जिम्मेदारों को अपने कर्तब्य का निष्ठा पूर्वक पालन करना होगा। इस मौके पर नायाब तहसीलदार जितेंद्र सिंह लेखपाल अजय राव मारकंडे गुप्ता आशुतोष कुमार विचित्र मणि आदि मौजूद रहे।

मनरेगा सबसे बड़ी रोजगार योजना

जौनपुर (आरएनएस)।देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के देहावसान की सूचना से चंद्रेश मिश्र पीठ के सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर यूपी लोकसेवा आयोग के पूर्व सदस्य एवं बीएचयू के प्रोफेसर डॉक्टर आरएन त्रिपाठी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉक्टर मनमोहन सिंह ने मनरेगा जैसी विश्व की सबसे बड़ी रोजगार योजना दी जिससे तीस करोड़ लोग लाभान्वित हो रहे हैं।आर्थिक उदारीकरण कर भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए डॉक्टर

सिंह सदैव याद किए जाते रहेंगे।रूपसेवा संस्थान के प्रबंधक पंडित रामकृष्ण त्रिपाठी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉक्टर मनमोहन सिंह का जाना देश के लिए अपूर्णीय क्षति है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। पत्रकार एवं उद्यमी पंडित रामदयाल द्विवेदी, देवी सिंह, कांग्रेस नेता दयासागर राय , अखिलेश श्रीवास्तव ,बीजेपी नेता पीसी भारती, अधिवक्ता ओमप्रकाश दुबे, लिटिल फॉक्स स्कूल के प्रबंधक रवि श्रीवास्तव,अध्यापक डॉक्टर रामजी तिवारी,अशोक मिश्र आदि ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर डॉक्टर मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।

संगोष्ठी सभा का किया आयोजन

कुशीनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गोरक्ष प्रांत द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में कसया नगर इकाई द्वारा जीएस एकेडमी कसया में संगोष्ठी सभा का आयोजन हुआ। जिस में बच्चो को उस के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये पुरस्कृत किया गया। मुख्य रूप से एकेडमी के प्रबंधक सोनू ने अपने संबोधन में कहा बच्चे युवाओं का रूप है जो जीवन में स्वामी विवेकानंद के 162 वा जयंती के अवसर पर युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति अगसरित रहना चाहिए। वही नगर मंत्री अभिनय सिंह ने कहा विवेकानंद के विचारों को अपने जीवन में उतारकर अपने लक्ष्य के प्रति आगे बढे। इस मौके पर एकेडमी के संरक्षक गोलू सर जिला संयोजक राजन मद्धेशिया जी, नीतीश सिंह, नीतीश मद्धेशिया आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घर से बिना बताये भाग गयी युवती

शाहाबाद (हरदोई)। स्थानीय कोतवाली से लगभग 500 मीटर दूर एक मोहल्ले से 18 वर्षीय युवती के भाग जाने का मामला प्रकाश मे आया है। इस संबंध मे युवती के वालिद ने कोतवाली मे रिपोर्ट दर्ज करायी है। इस संबंध मे लापता युवती के पिता ने कोतवाली मे लिखित तहरीर दी है जिसमे उसने आरोप लगाया है कि उसकी 18 वर्षीय पुत्री गत 10 जनवरी 2025 को प्रातःकाल 10 बजे बिना किसी को बताये घर से कही चली गयी है जिसको उसने अपने रिश्तेदारो तथा अन्य स्थानो पर काफी ढूंढा लेकिन उसका कोई पता नही लग सका। पुलिस ने तहरीर के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 87 के तहत अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

द्वैताद्वैत का अनुपम संसार पुस्तक का हुआ विमोचन

मीरजापुर(आरएनएस)। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर महर्षि दयानंद बालिका इंटर कॉलेज के सभागार में मिर्जापुर की प्रसिद्ध कवयित्री व लेखिका डॉ. उषा कनक पाठक द्वारा रचित पुस्तक श्द्वैताद्वैत का अनुपम संसारश का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जगद्गुरु राम भद्राचार्य प्रो. शिशिर

➤ द्वैताद्वैत का अनुपम संसार सुगम भी है अगम भी– प्रो. शिशिर पाण्डेय

कुमार पाण्डेय व अध्यक्षता डॉ. श्यामनारायण तिवारी व विशिष्ट अतिथि डॉ. सच्चिदानंद पाठक ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम का प्रारंभ किया। मुख्य अतिथि डॉ शिशिर पांडेय ने अपने वक्तव्य में कहा कि डॉ. उषा कनक पाठक रचित श्द्वैताद्वैत का अनुपम संसारश सुगम भी है अगम भी है। अध्यक्षता कर रहे माध्यमिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष डॉ श्याम नारायण तिवारी ने कहा कि डॉ. उषा की अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और कई प्रकाशनाधीन हैं। श्द्वैताद्वैत का अनुपम संसारश हमें प्रकृति से जोड़ती है। विशिष्ट अतिथि डॉ सच्चिदानंद पाठक ने कहा– द्वैताद्वैत का ज्ञान मोक्ष की ओर ले जाता है।कार्यक्रम समन्वयक सलिल पाण्डेय ने कहा आदिशक्ति की गूढ़ परिकल्पना को यह पुस्तक दिखाती है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में जवाहिर लाल दुबे श्प्रदीपश ने सरस्वती वंदना वंदना प्रस्तुत किया। शिवांगी दूबे ने अतिथियों के स्वागत में स्वागत गान सुनाया। कार्यक्रम का संचालन उमाशंकर पाण्डेय ने किया। विजयशंकर पाठक ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न प्रदान कर स्वागत किया। इस कार्यक्रम में रोहित त्रिपाठी, आनंद अमित, सलिल पांडेय, डॉ श्याम शंकर उपाध्याय, सुदामा प्रसाद, जवाहरलाल दुबे प्रदीप, अच्युतानंद शुक्ला व सगुफ्ता परवीन का अंगवस्त्रम से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रमेश कुमार द्विवेदी, शुशील कुमार तिवारी, संजय सिंह, पूजा, शिवबली पाठक, शिवपूजन पाठक, रविशंकर ओझा, प्रियंका चतुर्वेदी, नलिनेश मिश्रा आदि उपस्थित रहे। अंत में आयोजक सौरभ पाठक ने सभी का धन्यवाद प्रकट किया।

विज्ञान क्लब द्वारा वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम 20 को

कौशाम्बी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग उत्तर प्रदेश शासन) के दिशा निर्देशन में जिला विज्ञान क्लब कौशांबी द्वारा विज्ञान लोकप्रियकरण एवं संचार कार्यक्रम के अंतर्गत 20 को राजकीय इंटर कॉलेज ओसा में स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन हेतु वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य स्वच्छता एवं स्वच्छ पर्यावरण पर वैज्ञानिक व्याख्यान, प्रयोग प्रदर्शन, खाद्य पदार्थ मिलावट की जांच,जल शुद्धता परीक्षण तथा विद्यार्थियों के मध्य पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।इसी क्रम में दिनांक 23 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज देवखरपुर में 'अंधविश्वासों के विरुद्ध वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें विशेषज्ञों द्वारा अंधविश्वासों पर वैज्ञानिक व्याख्यान, विज्ञान के सिद्धांत पर आधारित चमत्कारों का प्रयोग प्रदर्शन तथा विद्यार्थियों के मध्य पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

किसी पुस्तक को समझने के लिए विश्लेषण वाली दृष्टि होनी चाहिएः प्रो शिशिर पाण्डेय

मीरजापुर(आरएनएस)। चित्रकूट के जगद्गुरु रामभद्राचार्य राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो शिशिर पाण्डेय ने कहा कि किसी पुस्तक की रचना में रचनाकार के भावों को समझने के लिए विश्लेषण वाली दृष्टि होनी चाहिए,

➤ साहित्यकार उषा कनक पाठक की पुस्तक का लोकार्पण, विद्वानों को सम्मानित किया गया

क्योंकि रचनाकार सूत्र वाक्यों में अपनी बात कहता है, जिसका अर्थ व्यापक होता है। प्रोफेसर शिशिर पाण्डेय ने रविवार को नगर के मध्य स्थित महर्षि दयानन्द बालिका इंटर कॉलेज के सभागार में वहीं की प्रिंसिपल एवं साहित्यकार डॉ उषा कनक पाठक द्वारा रचित श्द्वैताद्वैत का अनुपम संसारश नामक पुस्तक के लोकार्पण के अवसर पर उक्त बातें कहीं। प्रोफेसर पाण्डेय ने कहा कि यह पुस्तक सुगम और अगम दोनों है। साधारण पाठक भी इसके अर्थों एवं भावों को समझ सकता है तो इसकी गहराई में उतरने में व्याख्या में रत्न भी निकलेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ सच्चिदानंद पाठक ने कहा कि पुस्तक में रचनाकार ने जिस अनपुम संसार की

बात कही है, उसे समझने की जरूरत है। उन्होंने द्वैत एवं अद्वैत की भी वृहद व्याख्या की। समारोह की अध्यक्षता श्रीमाता प्रसाद माताभीख इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ श्यामनारायण तिवारी ने की। कार्यक्रम में पुस्तक की समीक्षा सलिल पाण्डेय ने तो लोकगीत गायन विजय शंकर पाठक ने किया एवं सरस्वती वंदना श्री जवाहरलाल दुबे ने की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत आयोजिका डॉ उषाकनक पाठक ने किया जबकि धन्यवाद इंजीनियर सौरभ पाठक ने तथा संचालन पैड़ापुर इंटर कॉलेज के सेवा निवृत्त शिक्षक उमाशंकर पाण्डेय ने तथा समापन पुस्तक के प्रकाशक अमित आंनद ने किया।

2025 के लिये चित्रांश क्लब अध्यक्ष बने प्रकाश

बस्ती। रविवार को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती अवसर पर जीवीएम कान्वेन्ट स्कूल के सभागार में चित्रांश क्लब की बैठक सम्पन्न हुई। सर्व सम्म्त से संस्थापक अध्यक्ष राजेश चित्रगुप्त और राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव ने वर्ष 2025 के अध्यक्षों की घोषणा किया। सर्व सम्म्त से पुरुष वर्ग में प्रकाश मोहन श्रीवास्तव को जिलाध्यक्ष एवं महिला विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी अरोरा को घोषित किया गया।

संस्थापक अध्यक्ष राजेश चित्रगुप्त ने कहा कि घोषित अध्यक्ष एक सप्ताह के भीतर अपनी– अपनी कार्यकारिणी गठित कर लें और क्लब की परम्परा के अनुसार सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यों को गति दें। राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव और संरक्षक सन्तोष सिंह ने कहा कि कुंआनों को प्रदूषण से मुक्त करने का जो संकल्प चित्रांश क्लब ने लिया है उसे गति दिया जाय।

चित्रांश क्लब अध्यक्षों की घोषणा के दौरान मुख्य रूप से अंकुर वर्मा, दिनेश श्रीवास्तव, विजय लक्ष्मी सिंह, नीलम सिंह, सुषमा चौधरी, रामानंद उर्फ नन्हे भैया, सर्वेश श्रीवास्तव,उमंग शुक्ला, अतुल चित्रगुप्त, मनमोहन श्रीवास्तव, नीरज सिंह, रूपेश,आशीष श्रीवास्तव, रंजीत श्रीवास्तव, रेखा चित्रगुप्त, संध्या दीक्षित, अविनाश श्रीवास्तव, प्रीति श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव,सविता प्रतिमा,संज्ञा श्रीवास्तव,सुमन,रानी श्रीवास्तव, रणदीप माथुर,दीपू श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, अनिल पाण्डेय, अमर सोनी, दुर्गेश श्रीवास्तव, मो.इस्माइल,मुजीब खान के साथ ही क्लब के अनेक पदाधिकारी, सदस्य और अनेक सामाजिक संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से झूली किशोरी, मौत

अलीपुरजीता, कौशाम्बी। कड़ाधाम थाना क्षेत्र के अलीपुरजीता गांव में एक 15 वर्षीय किशोरी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से झूलकर अपनी इह लीला समाप्त कर ली।घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया।जानकारी के अनुसार कड़ा के अलीपुरजीता गांव की बबिता पुत्री राजेश कुमार सिंह गांव के ही मान सिंह इंटर कालेज में कक्षा 9 की छात्रा है।बताते हैं कि मंगलवार को बबिता विद्यालय से परीक्षा देकर घर आई और भूसा वाले कमरे में जाकर फांसी के फंदे से झूल गयी।परिजनों को इस बात की भनक लगी तो उनके होश उड़ गए।आनन फानन में परिजनों ने किशोरी को फंदे से नीचे उतारा और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विवेचना में बेहद अहम होगा टैब

बस्ती। जिले में विवेचकों (इंस्पेक्टर–दरोगा) को स्मार्टफोन, टैबलेट देने के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू हो गई है। रेंज व जिले स्तर पर इसकी पांच सदस्यीय कमेटी गठित कर दी गई है। विवेचकों स्मार्टफोन मिलने के बाद उन्हें विवेचना संबंधी ज्यादातर कार्रवाई, ई–साक्ष्य एप से स्मार्टफोन के माध्यम से करनी होगी। नए कानून में वीडियो साक्ष्य को काफी महत्व दिया गया है, लेकिन कई बार विवेचक स्मार्टफोन न होने का बहाना बना देते हैं। अब पायलट प्रोजेक्ट के तहत जिले के 250 विवेचकों को स्मार्टफोन मुहैया कराए जाएंगे। उन्हें विवेचना संबंधी ज्यादातर कार्रवाई इसी के माध्यम से करनी होगी। बस्ती जनपद के लिए एक करोड़ 39 लाख का बजट आबंटित हुआ है।

नए कानून में वीडियो साक्ष्य को काफी महत्व दिया गया है, लेकिन कई बार विवेचक स्मार्टफोन न होने का बहाना बना देते हैं। अब पायलट प्रोजेक्ट के तहत जिले के विवेचकों को स्मार्टफोन मुहैया कराए जाएंगे। उन्हें विवेचना संबंधी ज्यादातर कार्रवाई इसी के माध्यम से करनी होगी।

पुरानी व्यवस्था में मोबाइल फोन के फोटो, वीडियो व अन्य प्रकार के इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को खारिज कर दिया जाता था। नए कानूनों में इन्हें प्राथमिकता दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इसी वजह से शासन ने कुछ जिलों के विवेचकों को पायलट प्रोजेक्ट के तहत स्मार्टफोन देने का निर्णय लिया है। सूची में बस्ती जनपद भी शामिल है। यहां पहले चरण में विवेचकों (इंस्पेक्टर–दरोगा) को स्मार्टफोन देने के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू हो गई है। पांच सदस्यीय क्रय समिति में डीआइजी रेंज दिनेश कुमार पी अध्यख्श , एसपी अभिनंदन,एएसपी ओपी सिंह, सीटीओ अशोक कुमार प्रजापति व अपर सांख्यिकी अधिकारी जिला उद्योग जितेन्द्र कुमार गौतम सदस्य होंगे। तकनीकी कमेटी में अपर राज्य रेडियो अधिकारी मोहन लाल, सीओ पुलिस कार्यालय स्वर्णिमा सिंह, सहायक रेडियो अधिकारी सन्नी कुमार पासवान व जिला सूचना विज्ञान अधिकारी आलोक कुमार मिश्रा शामिल किए गए हैं। घटनास्थल पर मिले साक्ष्यों के फोटो, बरामदगी के फोटो व वीडियो बनाकर अपलोड किए जा सकेंगे। ये साक्ष्य खुद ही मुकदमे की विवेचना संबंधी सर्वर पर सेव हो जाएंगे। सुनवाई के दौरान कोर्ट में इनको देखा जा सकेगा। सभी फोटो–वीडियो, पुलिसकर्मियों को गवाही की सूचना आनलाइन मिलेगी। साथ ही इन फोटो–वीडियो व साक्ष्य की गोपनीयता बनी रहेगी।नए कानून के तहत स्मार्ट फोन, वीडियो कैमरा व अन्य उपकरण की अगर अभी तक खरीददारी नहीं हुई है तो इसे जल्द से निविदा के के जरिए नियमानुसार खरीदारी करा ली जाएगी।

आजमगढ़ में कांग्रेसियों ने केक काटकर मनाया जन्मदिन

आजमगढ़रू(आरएनएस) जिला कांग्रेस कार्यालय पर श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा सांसद पूर्व महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश कांग्रेस जी का जन्मदिन निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में केक काटकर मनाया गया मनोज कुमार सिंह ने कहा देश में गरीबों वंचितों शोषितों एवं महिलाओं की सशक्त आवाज हमारी नेता प्रियंका दीदी श्रीमती प्रियंका गांधी के जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं नि वर्तमान जिलाउपाध्यक्ष रमेश राजभर ने कहा देश में यदि महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर कोई आवाज बुलंद होती है तो वह प्रियंका गांधी सांसद देश की प्रियंका गांधी राहुल गांधी जैसे नेता की आवश्यकता उम्मीद की किरण प्रियंका गांधी तेज बहादुर यादव जी ने कहा 12 जनवरी 1972 मे जन्म लेने के बाद, कालांतर में प्रियंका दीदी जब से राजनीति में सक्रिय हुई है लगातार कांग्रेस का ग्राफ बडढा है गरीब जनता महिलाओं की उनका अधिकार प्राप्त होने की उम्मीद जगी है । कार्यक्रम की समापन के बाद वृक्षारोपण का कार्य किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से बेलाल अहमद वेग, अजीत राय ,जगदंबिका चतुर्वेदी, हरिओम उपाध्याय, पूर्णमासी प्रजापति, सुरेश राजभर, शशिकांत पांडे, श्याम सिंह, तुषार सिंह, विपिन कुमार पाठक ,मुरारी राय ,मुन्नू मौर्य ज्ञानमती मौर्य, उपस्थित रहे ।

विस्कुट का वितरण

बस्ती। महिला कांग्रेस की पूर्व जिलाध्यक्ष और उ.प्र. कांग्रेस कमेटी श्रम प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव मंजू पाण्डेय ने रविवार को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सांसद प्रियंकागांधी के 53 वें जन्म दिन पर गनेशपुर नगर पंचायत के गरीब बस्तियों में टाफी, बिस्कुट, फल आदि का वितरण कर खुशियों को साझा किया।कांग्रेस नेता मंजू पाण्डेय ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने सदैव धर्म को मानव के उत्थान से जोड़ा और इसी धारा में प्रियंका गांधी समाज के दलित, वंचित, उपेक्षित लोगों, महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिये संघर्षरत है। प्रियंका गांधी के सुदीर्घ स्वस्थ जीवन का कामना करते हुये मंजू पाण्डेय ने कहा कि वे कांग्रेस ही नहीं वरन करोड़ों भारतवासियों की उम्मीद है। उनमें देश पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की झलक देखता है।

संविधान मात्र कानूनी दस्तावेज नहीं आत्मा है– विजय

हरदोई रविवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर संविधान गौरव अभियान पर संयुक्त मोर्चा कार्यशाला में क्षेत्रीय महामंत्री अवध विजय प्रताप सिंह ने कहा कि अंबेडकर हमारे देश के महान महापुरुष उनको केवल संविधान निर्माता के रूप में बांधना उचित नहीं। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी इस देश के महान समाज सुधारक भी थे। जैसे हम स्वामी विवेकानंद जी को मानते हैं वीर सावरकर, दीनदयाल उपाध्याय को मानते है। वैसे ही बाबा साहेब हमारे देश की अनमोल धरोहर थे और उनको याद करने के लिए सिर्फ फूल मालाएं अर्पित करने से काम नहीं चलेगा। हमे बाबा साहेब के योगदान को पढ़ना और उनके दिखाई रास्तों पर चलना होगा। कहा कि कांग्रेस शासनकाल में बाबा साहेब का जितना अपमान हुआ वह सोच से भी परे है। नेहरू गांधी परिवार के अलावा किसी व्यक्ति की देश में स्वीकार्यता नहीं बढ़े इसके लिए कांग्रेस पार्टी ने हर तरह की साजिशें रची गई। बाबा साहेब का राजनैतिक वजूद बनने में रोड़ा डाला गया। उनको लोकसभा चुनाव में हराने के लिए कांग्रेस सरकार ने पूरा जोर लगाया।

कहा कि आज जो लोग सत्ता के लिए बाबा साहेब के चित्र अपने सीने से लगाए चलते है उन्हें याद करना चाहिए अपने पूर्वजों के कृत्य जब कांशीराम मायावती की बसपा सरकार को ताड़ने के लिए समाजवादी पार्टी के गुंडों ने मायावती पर जानलेवा हमला किया था। ऐसे लोग क्या कभी बाबा साहेब के मूल्यों पर चल सकते है?जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान में अनुसूचित समाज के आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक उत्थान के साथ ही महिलाओं के लिए समानता और सामाजिक स्वीकार्यता को बढ़ावा दिया।कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसा दल है जो डॉ. आंबेडकर के मूल्यों एवं विचारों को आत्मसात कर समाज और देश के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है। भाजपा की पंच निष्ठा इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। भारत एक गणराज्य है, अर्थात किसी परिवार द्वारा नहीं बल्कि जनता द्वारा चुनी गई सरकार राज्य और देश की आर्थिक सामाजिक प्रगति के लिए नीति नियमों का निर्माण करें। भारत के नागरिकों को यह अवसर बाबा साहेब के संविधान ने दिया है। देश के नागरिकों को बाबा साहेब के विषय में संविधान के विषय में जानना चाहिए। हमारे अल्पज्ञान के कारण ही देश विरोधी ताकतों ने सत्ता के लालची दलों के जरिए जनता को गुमराह करने का कार्य किया। जिसका खामियाजा किसी और को नहीं बल्कि भारत के विकास को उठाना पड़ सकता था, पर देश की जनता भ्रमित हुई पर भूली नहीं की भारत निर्माण में भाजपा सरकार कितना महत्वपूर्ण योगदान है।

जहां भीड़ अधिक वहां तैनात हों ज्यादा से ज्यादा अफसर, संगम क्षेत्र में न इकट्ठी होने दें भीड़

प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर हुए हादसों के बाद बृहस्पतिवार को मुख्य सचिव संग पहुंचे डीजीपी प्रशांत कुमार ने बसंत पंचमी पर्व को लेकर विस्तृत दिशा निर्देश दिए। कहा कि भीड़ के आधार पर मेला ही नहीं बल्कि शहर के भी संवेदनशील स्थानों को चिह्नित किया जाए। साथ ही वहां ज्यादा से ज्यादा अफसर तैनात किए जाएं।यह भी कहा कि पर्व से एक दिन पहले से ही यह व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए कि किसी भी हाल में संगम के सर्कुलेटिंग एरिया में भीड़ न जमा हो पाए। स्नान करने के साथ ही श्रद्धालुओं को फौरन गंतव्य की ओर रवाना किया जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि आगमन व वापसी निर्धारित मार्गों से ही हो। इसके अलावा संगम पर बैरियर प्वाइंट बनाए जाएं और स्थिति को देखते हुए भीड़ को आगे बढ़ने दिया जाए। अखाड़ा मार्ग पर किसी भी हाल में श्रद्धालु न जाने पाएं और इसके लिए पर्याप्त पुलिसबल तैनात किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि बॉर्डर एरिया में एसपी स्तर के अधिकारियों को तैनात किया जाए।

महाकुंभ में हैरी पॉटर के हमशक्ल को देख सेल्फी लेने की मची होड़, सोशल मीडिया पर छाया इटली का शख्स

प्रयागराज। महाकुंभ में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का साक्षी बनने और इस समृद्ध विरासत की एक झलक देखने की लालसा केवल भारतीयों में ही नहीं, दुनियाभर के लोगों में है। यही कारण है कि सकल विश्व से लोग महाकुंभ के महा आयोजन का साक्षी बनने स्वतः ही खिंचे चले आ रहे हैं। इसी क्रम में कुछ दिनों पहले एक वीडियो वायरल होता है, जिसमें एक विदेशी शख्स भंडारे से मिला खाना बड़े चाव से खाता दिखता है और लोग उसे हैरी पॉटर की संज्ञा देते हुए प्रचारित करना शुरू कर देते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियोज में हैरी पॉटर फेम यह शख्स कोई और नहीं, इटली के निकोलो ब्रुग्नारा हैं। महाकुंभ में मिल रहे फेम का आनंद लेते हुए निकोलो महाकुंभ यूरोप, भारत, योग और योगी सरकार के भी प्रशंक हैं। निकोलो इटली की न्यूज एजेंसी द्वारा बतौर कैमेरामैन महाकुंभ मेला कवर करने आए हैं और यहां महाकुंभ पर बन रही एक डॉक्यूमेंटरी का भी हिस्सा हैं। वह आए तो थे महाकुंभ की खबरें कवर करने, तस्वीरें खींचने, मगर अब खुद खबर बन गए हैं और इसका कारण सोशल मीडिया से मिल रही लोकप्रियता है। लोग उनके साथ सेल्फी लेने, रील्स बनाने और इंटरैक्ट करने को बेताब हैं और निकोलो ने खुद कभी नहीं सोचा था कि अपने देश से दूर वह इस तरह फेमस हो जाएंगे। निकोलो ब्रुग्नारा खुद को बेहद भाग्यशाली मानते हैं कि इटली से वह महाकुंभ की कवरेज करने आए। उनके अनुसार, एक सीमित क्षेत्र में करोड़ों लोगों का यूं जुटना, स्नान–पूजन व ध्यान करना और छिटपुट घटनाओं के इतर इतने समायोजित तरीके से पूरी प्रक्रिया का प्रबंधित होना किसी अचरज से कम नहीं है। उनके अनुसार, भारत की महानता इसी बात में है कि भारत सबको बड़े प्यार से अपना अंग बना लेता है। यहां करोड़ों लोग जिस प्रकार स्वयं जुटकर शांतिपूर्वक पूजा–अराधना कर रहे हैं यह अकल्पनीय दृष्य है। उनका मानना है कि यूरोप में तो इस तरह के दृष्य के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है, क्योंकि आबादी के साथ ही व्यवहार के लिहाज से भी यूरोपीय देशों के लिए इतने विशाल जनसमुद्र को समायोजित करना असंभव है। निकोलो ने महाकुंभ के आयोजन को लेकर डबल इंजन की सरकार और विशेषकर योगी सरकार व स्थानीय मेला प्रशासन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह खुद योग प्रैक्टिशनर हैं और उन्हें पता है कि योग की शक्ति से क्या कुछ नहीं हो सकता। सीएम योगी की कार्यप्रणाली से प्रभावित दिखे निकोलो का मानना है कि जो योगी जो कर सकते हैं वह किसी और के बस की बात नहीं है। निकोलो को इस बात पर अचरज है कि उन्होंने तो कभी खुद की तुलना हैरी पॉटर का किरदार निभाने वाले एक्टर डैनियल रैडक्लिफ से नहीं की। उनके अनुसार, डैनियल से कहीं ज्यादा सुंदर तो वह खुद हैं,

ममता कुलकर्णी और लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी किन्नर अखाड़े से बाहर, सिर न मुंडाने पर एक्शन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ के बीच अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को किन्नर अखाड़े में महामंडलेश्वर बनाया गया था। इसके बाद इसे लेकर जमकर विरोध हुआ और किन्नर अखाड़े में बड़ी कलह शुरू हो गई। अब ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर के पद से हटा दिया गया है। किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास ने ममता कुलकर्णी को अखाड़े से निष्कासित कर दिया है। उन्होंने आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को भी किन्नर अखाड़े से निष्कासित कर दिया है। क्योंकि उन्होंने देशद्रोह की आरोपी ममता कुलकर्णी को अखाड़े में शामिल किया था। ऋषि अजय दास ने कहा, अब नए सिरे से अखाड़े का पुनर्गठन किया जाएगा और जल्द ही नए आचार्य महामंडलेश्वर के नाम का एलान होगा। बता दें कि बीते शुक्रवार यानी 24 जनवरी को किन्नर अखाड़ा में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महामंडलेश्वर के रूप में ममता कुलकर्णी का पट्टाभिषेक किया गया था।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः- 29-विद्युत/सा./प्रयागराज/24-25 दिनांकः 27.01.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक- 25.02.2025 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

क्र.सं.: 1- निविदा सूचना संख्याः ELG-55-2425, कार्य का नामः "एसबीडीआर, सीयूके, एमजेडपी और एमकेपी में 4 पुराने स्टील टैंकों और सीएआर में 1 पुराने आरसीसी टैंक को एसबीडीआर और सीयूके में 25000 गैलन क्षमता के नए आरसीसी ओवरहेड टैंकों और एमकेपी, एमजेडपी और सीएआर में 50000 गैलन क्षमता के साथ-साथ सीनियर डेन/1/पीआरवाईजे अनुभाग में 7 ट्यूबवेल और संबंधित पाइप लाइनों आदि के साथ बदलने से संबंधित विद्युत कार्य।" "आरआरएच-टीडीएल-ईटीडब्ल्यू, एसकेबी और पीएचडी में 50000 गैलन क्षमता के आरसीसी ओएच टैंक द्वारा पुराने स्टील ओएच टैंक को बदलने, जेजेके और ट्यूबवेल, पंप हाउस, पाइप लाइन पर 25000 गैलन के संबंध से विद्युत कार्य।"

काम की लागत (₹ में): ₹ 84,45,213.72	बिड सिक्योरिटी (₹ में): ₹ 1,68,900.00

क्र.सं.: 2- निविदा सूचना संख्याः ELG-56-2425, कार्य का नामः "कानपुर सेंट्रलः सीएनबी स्टेशन पर 100 बिस्तरों वाले नए गार्ड रनिंग रूम का निर्माण" से संबंधित विद्युत कार्य। "कानपुर सेंट्रल में अधिकारियों के लिए 3 टाइप-V नए क्वार्टरों का निर्माण" से संबंधित विद्युत कार्य। " ज्ञान विकास केंद्र जो अन्य सुविधाओं के साथ जीएमसी यार्ड में प्रस्तावित किया जा रहा है" से संबंधित विद्युत कार्य। "एमडीडीटीआई सीएनबी में 100 बिस्तरों वाले छात्रावास भवन" से संबंधित विद्युत कार्य। "कानपुर अनवरगंज सीपीए स्टेशन पर सी एंड डब्ल्यू के लिए अन्य रखरखाव सुविधाओं का पुनर्वास और उन्नयन" से संबंधित विद्युत कार्य। "एडीईएन/मुख्यालय-1/सीएनबी के तहत एसएसई/डब्ल्यू/एसपीएल-1/सीएनबी के अनुभाग में स्क्रैप यार्ड में एक नया वार्ड, एक आरसीसी सड़क, कर्मचारियों के लिए एक लंच रूम और कुछ अन्य विविध कार्य प्रदान करके जनरल स्टोर डिपो में सुधार" से संबंधित विद्युत कार्य।

काम की लागत (₹ में): ₹ 2,25,40,046.91	बिड सिक्योरिटी (₹ में): ₹ 2,62,700.00

क्र.सं.: 3- निविदा सूचना संख्याः ELG-57-2425, कार्य का नामः कानपुर क्षेत्र के फजलगंज, तेजाब मिल कॉलोनियों में एबीसी (एरियल बंच कंडक्टर) कंडक्टरों द्वारा ओवर हेड लाइनों के प्रतिस्थापन के साथ विद्युत आपूर्ति प्रणाली का विस्तार।

काम की लागत (₹ में): ₹ 1,59,03,313.00	बिड सिक्योरिटी (₹ में): ₹ 2,29,500.00

कार्य समाप्त करने की समयावधि क्रम सं. 1 से 3 के लिये:- 06 माह

निविदा खुलने की तिथिः 25.02.2025, समय- 15:00 बजे। नोट:- (1) उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 192/25 (MG)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

मेले में चार फरवरी तक वाहनों के प्रवेश पर रोक, मौनी अमावस्या हादसे के बाद लिया गया निर्णय

प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर हुए हादसे के बाद श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मेला पुलिस ने कड़े कदम उठाए हैं। शुक्रवार से वसंत पंचमी स्नान (तीन फरवरी) के अगले दिन (चार फरवरी) तक मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है। इसके तहत प्रशासनिक और चिकित्सा संबंधी वाहनों के अलावा अन्य वाहनों पर मेला क्षेत्र में पाबंदी रहेगी। डीआईजी मेला वैभव कृष्ण का कहना है कि भीड़ बढ़ने पर पासधारक वाहनों पर भी प्रतिबंध लगाया जा सकता है। डीआईजी मेला ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत 31 जनवरी, 1, 2, 3 व 4 फरवरी को मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन रहेगा। मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के आवागमन की व्यवस्था सुचारू रखने के लिए यह कदम उठाए गए हैं। शासन ने मौनी अमावस्या के महास्नान से दो दिन

पहले और दो दिन बाद तक वाहनों के मेला क्षेत्र में आने पर प्रतिबंध पहले से ही लागू कर रखा है। यानी, 31 जनवरी तक मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन पहले से ही घोषित है। अन्य प्रमुख स्नान पर्वों पर यह प्रतिबंध एक दिन पहले–एक दिन बाद तक लागू है। इस लिहाज से वसंत पंचमी पर यह प्रतिबंध दो से चार फरवरी तक लगना था। मगर, बीते स्नान पर्वों के अनुभवों को देखते हुए एक फरवरी को भी प्रतिबंध के दायरे में ले लिया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की मुश्किलों की सामना न करना पड़े। कमिश्नरेट के डीआईजी व नोडल अफसर (महाकुंभ) डॉ. अजय पाल शर्मा ने बताया कि वसंत पंचमी पर 'डी–1, डी1' प्लान लागू किया जाएगा। इसके तहत तीन फरवरी से एक दिन पहले व बाद में (यानी दो से चार फरवरी तक) शहर में कोई वाहन नहीं घुस पाएगा। पासधारक वाहनों पर भी यही व्यवस्था लागू रहेगी। श्रद्धालुओं की बसों, मिनी बसों या कारों को नजदीकी पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करा लिया जाएगा। वहां से वह शटल बसों या अन्य छोटे वाहनों से मेला क्षेत्र के आसपास पार्किंग स्थल तक आ सकेंगे। उन्हें पैदल जाकर निकटतम घाट पर स्नान करके इसी तरह लौटना होगा। मौनी अमावस्या के दिन कुंभनगरी में उमड़ी करोड़ों की भीड़ के कारण जिले में प्रवेश के सारे रास्ते सील कर दिए गए थे। इस कारण हजारों लोगों ने होटलों में अपनी बुकिंग रद्द करा दी। वह रास्ते में ही फंसे रह गए। इससे होटलों को काफी नुकसान हुआ है। हालांकि, टेंट सिटी सात फरवरी तक अब भी नो रूम है। जिले की सीमाएं सील होने की वजह से जिन लोगों को मौनी अमावस्या पर प्रयागराज आना था, उनमें से कई लोग यहां नहीं आ सके। कोटा राजस्थान के सुनील शर्मा अपने वाहन से प्रयागराज आ रहे थे, लेकिन फतेहपुर में उन्हें जब सूचना मिली कि प्रयागराज में दूसरे राज्यों के वाहनों की नो इंट्री है तो उन्होंने होटल की बुकिंग निरस्त कर दी। होटल कारोबारी योगेश गोयल बताते हैं कि 28 और 29 की जो बुकिंग थी उसमें से कुछ गेस्ट शहर में प्रवेश ही नहीं कर सके। इस वजह से उनकी बुकिंग निरस्त करनी पड़ी। कहा कि पांच फरवरी के बाद की बुकिंग को लेकर पूछताछ बढ़ी है। होटल और रेस्टोरेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह ने बताया कि तकरीबन 20 प्रतिशत की गिरावट तो हुई है, लेकिन वसंत पंचमी के बाद बुकिंग बेहतर है।

आचार्य लक्ष्मी नारायण के निष्कासन से भड़का अखाड़ा परिषद, कहा- कौन हैं उन्हें निकालने वाले अजय दास

प्रयागराज। किन्नर अखाड़े से महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी और ममता कुलकर्णी के निष्कासन पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने

नाराजगी जताई है। परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी बोले, मैं पूछना चाहता हूं कि आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को निकालने वाले वह (ऋषि अजय दास) कौन हैं। सभी 13 अखाड़ों ने लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी का समर्थन किया है। जूना अखाड़े ने अपने साथ स्नान करने का आश्वासन दिया था और जूना अखाड़ा उन्हें अपने साथ स्नान कराता है। महंत रवींद्र पुरी ने कहा, श्मैं कहना चाहता हूं लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी जूना अखाड़े के हिस्सा है। जिन्होंने (ऋषि अजय दास) पत्र जारी करके लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को हटाने की बात कही है मैंने उनका पहली बार नाम सुना है। वह किन्नर अखाड़े का संस्थापक बनना चाहते हैं। हम सभी अखाड़े लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के साथ हैं। हम सभी उन्हें ही जानते हैं और उनके साथ जो सदस्य है हम उनको जानते हैं। उन्होंने (आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी) जितने भी साधु–संत बनाए हैं वह सभी संन्यासी है। जहां तक मुंडन की बात है तो जितने भी किन्नर अखाड़े के सदस्य है सबने मुंडन करवाया है और गले में माला धारण करते हैं। इनके साथ ऐसा करना अत्याचार है। हमको सबको लेकर चलना है। हमें जाति से ऊपर उठकर काम करना है। हम संन्यासी अगर साथ नहीं देंगे तो किन्नर समाज कहां जाएंगे। यह लोग हमारे हैं। फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाए जाने के बाद किन्नर अखाड़े में घमासान शुरू हो गया है। अखाड़े के संतों की आपत्ति के बाद खुद को अखाड़े का संस्थापक होने का दावा करते हुए ऋषि अजय दास ने किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को पदमुक्त कर दिया है। इस संबंध में एक पत्र भी जारी किया है। हालांकि आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने इस कार्रवाई को अनुचित बताया है। कहा कि अजय दास को किन्नर अखाड़े से पहले ही निकाला जा चुका है, वह किस हैसियत से कार्रवाई कर सकते हैं। अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर की पदवी दिए जाने को लेकर आचार्य लक्ष्मी नारायण के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी जा रही थी। अभिनेत्री को महामंडलेश्वर बनाने को लेकर किन्नर अखाड़े के भीतर ही विरोध शुरू हो गया था। किन्नर अखाड़े के संस्थापक अजय दास और आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी इस मसले पर आमने–सामने आ गए हैं। इसी बीच अजय दास ने लक्ष्मी नारायण के साथ ही ममता को भी पद से हटा दिया है।

हादसा पीछे, आगे आस्था का जन ज्वार, संगम तट पर अनुकरणीय बना एकता का महाकुंभ

प्रयागराज। मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर मौन डुबकी की ललक में संगम पर हुआ हादसा आस्था के जन ज्वार में चंद समय बाद ही पीछे छूट गया। आठ लेन वाले अखाड़ा मार्ग से लेकर संगम द्वार तक कुछ देर बाद ही ऐसा माहौल बन गया, जैसे वहां कुछध हुआ ही न हो। आस्था का जन प्रवाह रत्ती भर कम नहीं हुआ। बृहस्पतिवार की आधी रात को ही संगम नोज की सर्क्युलेटिंग एरिया में तिल रखने की जगह नहीं बची। चेहरे पर उत्साह और पांवों में कभी न आने वाली थकान का भाव लिए संगम की दूरी पूछते लोग आस्था की डगर पर बढ़ते नजर आए। विशाखापत्तनम से चाहे लाल मार्ग हो या काली मार्ग या फिर त्रिवेणी मार्ग। हर तरफ से भक्ति की लहरें संगम की ओर उफनाती रहीं। चाहे ध ार्म भीरु सम्राट हर्षवर्धन का दौर रहा हो या फिर सैकड़ों वर्षों की गुलामी का कालखंड। कुंभ में आस्था का यह जन प्रवाह कभी नहीं रुका। पद्मपुराण में कहा गया है कि आगच्छन्ति माघ्यां तु, प्रयागे भरतर्षभ... यानी माघ महीने में सूर्य जब मकर राशि में गोचर करते हैं तब संगम में स्नान से करोड़ों तीर्थों के बराबर पुण्य मिल जाता है। लोक धारणा है कि इस अवधि में जो श्रद्धालु प्रयाग में स्नान करते हैं, वह हर तरह के पापों से मुक्त हो जाते हैं। यही धारणा संगम पर जन ज्वार के रूप में दिन रात उफना रही है। बिहार के रोहतास स्थित परछा गांव से अपनी मां को कुंभ स्नान कराने आए भूषण चंद्र चौबे बुधवार की रात संगम नोज पर हुए हादसे के समय घिर गए थे। बिना स्नान किए रात को किसी तरह वहां से सुरक्षित सेक्टर 18 के अपने शिविर में मां को लेकर वापस आए। बृहस्पतिवार को वह संगम नोज पर उसी जगह वह फिर अपनी मां सुनयना देवी को लेकर स्नान कराने पहुंचे। त्रिवेणी की पावन धारा में डुबकी लगाकर दोनों मां–बेटा धन्य हो उठे। उनका कहना था कि

वह यहां किसी चमक दमक, बसावट या बाहरी व्यवस्था को देखने नहीं आए हैं। संगम की महिमा ही सनातन संस्कृति का गौरव है। वह कहते हैं कि कुंभ मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है। यह चेतना स्वतरू जागृत होती है। यही चेतना भारत के कोने–कोने से लोगों को संगम तट तक खींच लाती है। गांव, कस्बों, शहरों से लोग तीर्थराज की त्रिवेणी की ओर निकल पड़ते हैं। सामूहिकता की ऐसी शक्ति, ऐसा समागम शायद ही कहीं और देखने को मिले। यहां आकर संत–महंत, ऋषि–मुनि, ज्ञानी–विद्वान, सामान्य जन सब एक हो जाते हैं। सब एक साथ त्रिवेणी में डुबकी लगा रहे हैं। यहां जातियों का भेद खत्म हो जाता है, संप्रदायों का टकराव मिट जाता है। करोड़ों लोग एक ध्येय, एक विचार से जुड़ जाते हैं। इसी तरह कनाडा से क्रियायोग आश्रम के शिविर में पहुंचकर कल्पवास कर रहीं श्रीमा मालिनी, डेविन, लिंडा गैल कहती हैं कि महाकुंभ के दौरान यहां अलग–अलग राज्यों से करोड़ों लोग जुटे हुए हैं। उनकी भाषा अलग है, जातियां अलग हैं। मान्यताएं अलग है, लेकिन संगम नगरी में आकर वो सब एक हो गए हैं और इसलिए महाकुंभ एकता का महायज्ञ बन गया है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या : EL-C-PRYJ-12-24-25 दिनांक : 28.01.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियंता/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 28.02.2025 समय 15:30 बजे तक आमंत्रित करते है। निविदा सम्बन्धी विस्तृत विवरण निम्नवत् है-

निविदा सं. : EL-C-PRYJ-12-24-25, कार्य का नाम : डिजाइन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग एण्ड कमीशनिंग ऑफ 220/132 के.वी. ग्रिड सब-स्टेशन नियर फतेहपुर ओवर प्रयागराज डिवीजन ऑफ नार्थ सेंट्रल रेलवे।

निविदा खुलने की तिथि : 28.02.2025	कार्य अवधि : 18 माह
प्रकाशित कार्य की लागत (₹ में): 21,41,84,910.71/-	बोली प्रतिभूति (₹ में): 12,20,900/-

नोट:- (1) उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। (2) उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरो को चाहिए कि वे अपने आपको Digital हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 200/25 (MG)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या-25/07 दिनांक-28.01.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	63245661	मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ 1 इन 8.5 डाइमंड क्रॉसिंग फार 60 केजी कम्प्लीट विथ डबल स्लिप ड्राइंग नं. टी-6494.	13 Set.	10-MAR-25
2	63245572	गार्ड रेल फिटिंग्स (60/52 केजी. स्ट्रेट पॉर्शन) ड्राइंग नं. टी-4089-4097.	3463 Set.	06-MAR-25

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदाओं में किसी भी बदलाव/ शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 190/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

मौनी हादसे के बाद होटलों की बुकिंग में गिरावट, टेंट सिटी में अब भी नो रूम

प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर संगम नोज में हुए हादसे की वजह से जहां कुछ लोगों ने अपनी बुकिंग निरस्त कर दी है तो कुछ ने उसे आगे के लिए बढ़ा दिया है। वहीं महाकुंभ नगर में बने टेंट सिटी की बात करें तो वहां बुकिंग के लिए अब भी मारा मारी मची हुई है। सात फरवरी तक टेंट सिटी में नो रूम की स्थिति हो गई है। आईआरसीटीसी के टेंट सिटी को लेकर लोग ज्यादा पूछताछ कर रहे हैं। मौनी अमावस्या पर संगम नोज में हुए हादसे की वजह से मुजफ्फरनगर के धीरज कौशिक ने अपनी बुकिंग बृहस्पतिवार को निरस्त कर दी। उन्होंने सिविल लाइंस के एक होटल एक फरवरी से दो फरवरी तक के लिए कमरा बुक कराया था, लेकिन अब वह प्रयागराज नहीं आ रहे हैं। इसी तरह जिले की सीमाएं सील होने की वजह से जिन लोगों को मौनी अमावस्या पर प्रयागराज आना था उसमें से तमाम लोग यहां नहीं आ सके। कोटा राजस्थान के सुनील शर्मा अपने वाहन से प्रयागराज आ रहे थे, लेकिन फतेहपुर में उन्हें जब सूचना मिली कि प्रयागराज में दूसरे राज्यों के वाहनों की नो इंट्री है तो उन्होंने होटल की बुकिंग निरस्त कर दी। होटल कारोबारी योगेश गोयल बताते हैं कि 28 एवं 29 की जो बुकिंग थी उसमें से कुछ गेस्ट शहर में प्रवेश ही नहीं कर सके। इस वजह से उनकी बुकिंग निरस्त करनी पड़ी। कहा कि पांच फरवरी के बाद से बुकिंग को लेकर पूछताछ बढ़ी है। होटल और रेस्टोरेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह ने बताया कि तकरीबन 20 प्रतिशत की गिरावट तो हुई है लेकिन बसंत के बाद बुकिंग बेहतर है। होटल कारोबारी विदुप अग्रहरि ने भी माना की हादसे की वजह से बुकिंग में गिरावट आई है। कहा कि अभी प्रयागराज में काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। शहर में भीड़ की वजह से कस्टमर को होटल तक पहुंचने में दिक्कत तो हो रही है लेकिन तीसरे अमृत स्नान के बाद कुछ हद तक भीड़ कम होने की उम्मीद है। उधर अरैल समेत मेला क्षेत्र के तमाम इलाकों में बनाए गए टेंट सिटी को लेकर लोगों में खासा क्रेज है। गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र आदि राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं की पहली पसंद टेंट सिटी ही है। आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत सिन्हा का कहना है कि टेंट सिटी में अगले कुछ दिन जगह नहीं है। फिर भी लोग ऑनलाइन चेक करते रहे।

मेले में वाटर एटीएम दे रहा है फ्री आरओ पानी, बटन दबाते ही निकलने लगता है जल

प्रयागराज। 116 देशों के राजनायिक भी शनिवार को महाकुंभ नगर का हिस्सा होंगे। दिन भर के कार्यक्रम के दौरान वे संगम स्नान के साथ मेला क्षेत्र का भ्रमण भी करेंगे। अरैल में सभी देशों के झंडे भी लगाए जाएंगे। कुंभ 2019 में भी 72 देशों के राजनायिक आए थे। इस बार 116 देशों के राजनायिक आ रहे हैं। वे शनिवार को सुबह अरैल पहुंचेंगे। अरैल स्थित टेंट सिटी में उनका परंपरागत तरीके से स्वागत किया जाएगा। इसी क्रम में राजनायिक झंडे को सलामी देंगे। इसके बाद उन्हें क्रूज से वीआईपी घाट लाया जाएगा। संगम पर उनके स्नान की भी व्यवस्था रहेगी। इसके लिए जेटी तैयार की जा रही है। वे अक्षयवट, हनुमान मंदिर में दर्शन करेंगे और संतों से भी मिलेंगे। विदेशी डेलीगेट्स कला कुंभ, डिजिटल अनुभूति केंद्र समेत अन्य प्रदर्शनियों का अवलोकन करेंगे। शाम को सांस्कृतिक आयोजन में भी शामिल होंगे। इसके बाद वे वाराणसी के लिए रवाना होंगे। यूपी जल निगम ने मेला क्षेत्र में 200 वाटर एटीएम लगाए हैं। इनके माध्यम से श्रद्धालुओं को फ्री आरओ पानी मिल रहा है। प्रतिदिन 12 से 15 हजार लीटर पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। अधिशासी अभियंता ने बताया कि मेला प्रशासन ने पहले इसके लिए एक रुपये का शुल्क लगाया था, पर अब यह पूरी तरह मुफ्त है। वाटर एटीएम पर ऑपरेटर बैठते हैं, जो श्रद्धालुओं के कहने पर बटन दबाकर शुद्ध जल उपलब्ध करा रहे हैं। इनकी सेंसर के माध्यम से निगरानी भी होती है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति और मंदिर के भव्य निर्माण को लेकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास की ओर से मेले में चल रहे अभियान में डेढ़ करोड़ लोग हस्ताक्षर कर चुके हैं। एक फरवरी को सेक्टर–16 स्थित जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी राजेश्वर माऊली के पंडाल में महासंवाद होगा। इसमें आगे के आंदोलन की आधारशिला रखी जाएगी। अध्यक्ष एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण की मूल जन्मस्थली (वर्तमान में शाही ईदगाह मस्जिद) को मुक्त कराने के लिए अभियान की शुरुआत जन्मभूमि के मुख्य द्वार से की गई थी। इसमें अब तक डेढ़ करोड़ लोगों ने हस्ताक्षर कर आंदोलन को समर्थन दिया है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062